• आश्विन कृष्ण - 2 • संवत 2081 • वर्ष - 12 • अंक - 58 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 20-09-2024 • www.dakshinbharat.com • Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 गंभीर के पास काफी अनुभव, सफल कोच साबित होंगे : द्रविड़

6 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

7 'मनवत मर्डर्स' में आशुतोष गोवारिकर निभाएंगे जासूस की भूमिका

कश्मीर में पाकिस्तानी एजेंडे को लागू करना चाहता है कांग्रेस-नेकां गठबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- प्रधानमंत्री ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधाते हुए आरोप लगाया

श्रीनगर/जम्मू/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधाते हुए आरोप लगाया कि यह गठबंधन आतंक के आका पाकिस्तान के उसी एजेंडे को जम्मू-कश्मीर में लागू करना चाहता है, जिसने यहां पीढ़ियां बर्बाद की और खून बहाया। अनुच्छेद 370 पर पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की कथित टिप्पणियों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के एजेंडे को लागू नहीं होने देंगे और दुनिया की कोई ताकत जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं करा सकती है।

मोदी जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, उन्होंने दिन में श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक रैली को संबोधित किया।

दोनों ही जनसभाओं में प्रधानमंत्री ने इस पूर्ववर्ती प्रदेश के लोगों को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर फिर से राज्य बनेगा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही इस प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। कटरा की रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, ''कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस को लेकर जम्मू-कश्मीर में भले ही उत्साह न हो, लेकिन पड़ोसी देश इन्हें लेकर बहुत उत्साह में है। यहां तो इनको कोई पूछने वाला नहीं है, लेकिन वहां पूछा जा रहा है। पाकिस्तान में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन की बल्ले बल्ले हो रही है। इनके घोषणापत्र से पाकिस्तान बहुत खुश नजर आ रहा है।''

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस का खुलकर समर्थन किया है, जिन्होंने कहा है कि अनुच्छेद 370 और 35 ए को लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का एजेंडा वही है जो पाकिस्तान का है।

जम्मू-कश्मीर फिर से राज्य बनेगा

श्रीनगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को इस पूर्ववर्ती प्रदेश के लोगों को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर फिर से राज्य बनेगा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही इस प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने लोकतंत्र में फिर से विश्वास जताया है और वे महसूस कर रहे हैं कि उनका वोट बदलाव ला सकता है। उन्होंने इस बदलाव को युवाओं के सशक्तीकरण की दिशा में पहला कदम बताया। उन्होंने कहा, ''तब से दिल्ली से लेकर श्रीनगर तक, ये लोग बौखलाए हुए हैं। इन्हें लगता है कि इन पर कोई कैसे सवाल उठा सकता है?

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी परिंदे

बड़े ही जोर से चहके,
सुरों से मन लुभावी हैं।
उड़ानें भर रहे जो भी,
समझना सब दिखावी हैं।
कभी मंदिर में चिंचियाते,
कभी मस्जिद में हावी हैं।
उड़ेंगे वोट दानें चुग,
परिंदे ये चुनावी हैं।।

तिरुपति के लड्डू पर तेज हुई तेदेपा व वाईएसआरसीपी में जुबानी जंग

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने दावा किया कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के इस दावे पर बृहस्पतिवार को बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति के लड्डुओं में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया था। वाईएसआरसीपी ने नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिए घृणित आरोप लगाने का आरोप लगाया है, जबकि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने इस दावे के समर्थन में एक प्रयोगशाला रिपोर्ट प्रसारित की।

नायडू ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की बैठक के दौरान दावा किया कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया। तेदेपा प्रवक्ता अनम वेंकट रमण रेड्डी ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा उपलब्ध कराए गए घी के नमूनों में गुजरात स्थित पशुधन प्रयोगशाला द्वारा मिलावट की पुष्टि की गई है। उन्होंने कथित प्रयोगशाला रिपोर्ट दिखाई, जिसमें दिए गए घी के नमूने में पशु की चर्बी, लार्ड (सूअर की चर्बी से संबंधित) और मछली के तेल की मौजूदगी का भी दावा किया गया है। नमूने लेने की तारीख नौ जुलाई, 2024 थी और प्रयोगशाला रिपोर्ट 16 जुलाई की थी।

राजनाथ ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों से कहा:

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें जवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना के शीर्ष कमांडरों से उथल-पुथल वाले वैश्विक परिदृश्य के मद्देनजर किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहने का बृहस्पतिवार को आह्वान किया और भारत की समग्र नौसैनिक क्षमता को और बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

नौसेना कमांडरों के सम्मेलन में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि भारत को अब हिंद महासागर में तरजीही वाले सुरक्षा साझेदार के रूप में देखा जाता है और भारतीय नौसेना इस क्षेत्र में शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। रक्षा मंत्री ने अत्याधुनिक जहाजों और पनडुब्बियों को शामिल करके भारतीय नौसेना की लड़ाकू क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास को दोहराया।

सिंह ने कहा कि वर्तमान में भारतीय शिपयार्ड में 64 जहाज और पनडुब्बियां निर्माणाधीन हैं, और 24 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के लिए ऑर्डर दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय नौसेना की बढ़ती ताकत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कमांडरों से समय-समय पर आत्मनिरीक्षण जारी रखने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने कमांडरों से उथल-पुथल वाले मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में हर स्थिति के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया। सिंह ने आर्थिक, व्यापारिक, परिवहन और समग्र राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए मजबूत नौसैनिक क्षमता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''दुनिया का बड़ा व्यापार इस क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो इसे मूल्यवान बनाता है।

20 सितंबर से शुरू होगी आईफोन 16 की बिक्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रीमियम मोबाइल उपकरण विनिर्माता कंपनी एप्पल 20 सितंबर से आईफोन 16 शृंखला के स्मार्टफोन की बिक्री शुरू करेगी। सूत्रों ने बताया कि कंपनी की पहली बार भारत में आईफोन प्रो सीरीज की असेंबलिंग शुरू करने की योजना है। हालांकि, उन मॉडल की बिक्री बाद में शुरू होगी। एप्पल इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, आईफोन 16 की पूरी सीरीज कल पूरे देश में उपलब्ध होगी। हालांकि, कंपनी ने भारत में विनिर्मित आईफोन प्रो सीरीज की उपलब्धता पर कोई टिप्पणी नहीं की। यह पहली बार है जब कंपनी आईफोन प्रो सीरीज को पिछले संस्करण की तुलना में कम कीमत पर बेच रही है, जिसका मुख्य कारण हालिया बजट में आयात शुल्क में कटौती है।

भाजपा के शासन में हरियाणा बना घोटाला मुक्त, विकास युक्त : भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पिछले एक दशक में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के शासन में हरियाणा घोटाला मुक्त और विकास युक्त बन गया है। उन्होंने लोगों से पार्टी को फिर से सत्ता में लाने के लिए वोट देकर अपना ''लाइसेंस'' नवीनीकृत करने की अपील की।

भाजपा ने हरियाणा में पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपना संकल्प पत्र जारी किया, जिसमें महिलाओं को 2,100 रुपए मासिक सहायता, युवाओं के लिए दो लाख सरकारी नौकरियां और राज्य के अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरी की गारंटी का वादा किया गया है।

रोहतक में संकल्प पत्र जारी करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा, ''राज्य घोटाला मुक्त और विकास युक्त हो गया है तथा प्रगति के पथ पर अग्रसर है।''

उन्होंने कहा कि यह चुनाव सिर्फ हरियाणा में भाजपा नीत सरकार को वापस लाने के लिए नहीं है, बल्कि यह चुनाव राज्य के विकास की गति को बनाए रखने तथा इसे और तेज करने के लिए है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव हरियाणा को पटरी पर रखने के लिए है।

नड्डा ने कहा कि सभी को याद है कि कांग्रेस के शासन के दौरान हरियाणा की स्थिति क्या थी। उन्होंने कांग्रेस शासन के दौरान कथित भ्रष्टाचार और पक्षपात का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कें क्षतिग्रस्त थीं, बिजली आपूर्ति अनियमित थी, नौकरियों में ''पर्ची-खर्ची'' चलती थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने सवाल किया, ''केवल चुनिंदा लोगों को ही नौकरियां मिलती थीं, क्या राज्य भूमि घोटालों के लिए जाना जाता था या नहीं।''

नड्डा ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद उसने पारदर्शी प्रशासन दिया और योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गईं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में काम का रिपोर्ट कार्ड देने की संस्कृति नहीं थी, जबकि भाजपा नीत सरकार में प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री और नीचे तक हर कोई अपने काम का हिसाब देता है। उन्होंने कहा कि एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ भड़काना, जातिवाद, पक्षपात, ''तोड़-फोड़'' की राजनीति चलती थी, जबकि अब रिपोर्ट कार्ड की राजनीति हो रही है।

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि वे केवल नारे लगाते हैं और किसानों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाते हैं, जबकि यह भाजपा ही है जिसने किसानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''क्या आपने भूपेंद्र हुड्डा को किसानों के लिए आंसू बहाते देखा है या नहीं? वे केवल आठ फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देते थे (जब वे सत्ता में थे)। हमारी सरकार 24 फसलों पर एमएसपी दे रही है। हम जो कहते हैं, वह करते हैं।'' उन्होंने कहा कि हुड्डा के कार्यकाल के दौरान फसल नुकसान पर 6,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाता था, जबकि अब 15,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जा रहा है।

अमित शाह ने डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत की

नई दिल्ली/भाषा। भारत के डेयरी सहकारी क्षेत्र को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत की। इसे महिला किसानों को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक व्यापक पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम में चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें महिला किसानों को सशक्त बनाना, स्थानीय दूध उत्पादन को बढ़ाना, डेयरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और डेयरी निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है। यह कार्यक्रम नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन में शुरू की गई तीन पहल में से एक है। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''डेयरी क्षेत्र में अधिकतर महिलाएं लगी हुई हैं, जिनमें से कुछ अकेले गुजरात में 60,000 करोड़ रुपए का कारोबार कर रही हैं। यह नई पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और मजबूत करने पर केंद्रित होगी।''

मंत्री ने डेयरी किसानों के लिए देशभर में रुपे किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत और डेयरी सहकारी समितियों में सूक्ष्म-एटीएम की स्थापना की भी शुरुआत की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 67,930 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी कीं। श्वेत क्रांति 2.0 के तहत, सरकार का लक्ष्य अगले पांच साल में डेयरी सहकारी समितियों द्वारा दूध की खरीद में 50 प्रतिशत की वृद्धि करना है। इस योजना में 1,00,000 नई और मौजूदा जिला सहकारी समितियों, बहुउद्देश्यीय जिला सहकारी समितियों और बहुउद्देश्यीय पीएसीएस की स्थापना और सुदृढ़ीकरण शामिल है, जिन्हें आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ दूध मार्गों से जोड़ा जाएगा। शुरुआत में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) अपने स्वयं के संसाधनों से इस पहल को वित्तपोषित करेगा, जो 1,000 एम-पैक्स को 40,000 रुपए प्रति एम-पैक्स प्रदान करेगा।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति की रिपोर्ट जल्द सार्वजनिक की जाएगी : कृषि मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सरकार फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बनी समिति की रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक करेगी। इस समिति का गठन तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने के बाद किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिन की उपलब्धियों का ब्योरा देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में चौहान ने कृषि के आधुनिकीकरण व किसानों की सहभागिता में सुधार लाने के मकसद से कुछ नई पहल का भी अनावरण किया। वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के साथ कृषि नवाचारों को साझा करने के लिए एक नए कार्यक्रम 'आधुनिक कृषि चौपाल' को अक्टूबर से दूरदर्शन और आकाशवाणी पर प्रसारित किया जाएगा। कृषि मंत्रालय में किसानों तथा कृषि जगत के लोगों के साथ मंत्री 'किसान संवाद' नामक पहल के तहत हर सप्ताह बातचीत भी करेंगे।

आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कपास प्रौद्योगिकी के बहुप्रतीक्षित नियामकीय अनुमोदन पर चौहान ने कहा, '' यह हमारे लिए एक संवेदनशील विषय है। गहन विचार-विमर्श के बाद अनुमोदन दिया जाएगा।'' न्यूनतम समर्थन मूल्य पर समिति की रिपोर्ट के बारे में चौहान ने पत्रकारों से कहा, '' रिपोर्ट अभी तैयार नहीं हुई है। समिति लगातार इसपर काम कर रही है।'' एमएसपी पर पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में बनी समिति ने अब तक दो दर्जन से अधिक बैठकें तथा कार्यशालाएं आयोजित की हैं। समिति का गठन जुलाई, 2022 में किया गया था। गठन से आठ महीने पहले सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेते हुए समिति गठित करने का वादा किया था। समिति को एमएसपी को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा देश की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए फसल के तरीकों में बदलाव करने के लिए सुझाव देने का काम सौंपा गया था। चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए अधिक उपज वाली तथा जलवायु-अनुकूल फसल की 109 किस्में पेश की गई हैं। सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे आगामी रबी मौसम के लिए खासकर नई फसल किस्मों के लिए अपनी बीज संबंधी जरूरतों की जानकारी पहले दें, ताकि किसी भी तरह के विलंब को रोका जा सके। उचित मूल्य निर्धारण के मुद्दे पर चौहान ने कहा कि सरकार ने खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में वृद्धि की है। इसके अलावा सरकार ने प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना का विस्तार किया है। मंत्रिमंडल ने फसल कीमतों को स्थिर करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए पीएम-आशा के तहत मूल्य समर्थन योजना को जारी रखने को मंजूरी दी है।

जीडीपी के आधार वर्ष को बदलकर 2022-23 करने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार देश में जीडीपी की गणना के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह एक दशक से अधिक समय में पहला संशोधन होगा। आखिरी संशोधन वित्त वर्ष 2011-12 में किया गया था। सूत्रों ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की सटीक तस्वीर पेश करने के लिए आधार वर्ष को बदलकर 2022-23 करने पर विचार किया जा रहा है।

इस संबंध में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति को सुझाव दिया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, विश्वनाथ गोल्डर की अध्यक्षता में गठित 26 सदस्यीय सलाहकार समिति इस काम को 2026 की शुरुआत तक पूरा कर सकती है। जीडीपी के आकलन के लिए नए आधार वर्ष के अनुमान फरवरी, 2026 में जारी किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी से असंगठित क्षेत्र उद्यमों का वार्षिक सर्वेक्षण, घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण जैसे प्रमुख आंकड़ों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय वर्ष 2022-23 को अगले आधार के रूप में एसएनएएस के समक्ष रखेगा।''

भारत को विकसित बनाने में बैंकों को निभानी होगी महत्वपूर्ण भूमिकाः निर्मला सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र या 'विकसित भारत' बनाने के एजेंडे को आगे बढ़ाने में बैंकिंग क्षेत्र को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

सीतारमण ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 90वें स्थापना दिवस पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री की तरफ से निर्धारित एजेंडे को आगे बढ़ाने में बैंकों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी और आपकी भूमिका से हम इस सपने को हासिल करने में और तेजी लाएंगे। उन्होंने कहा कि बैंकों को बुनियादी ढांचा क्षेत्र को सशक्त रफ्तार देने, एमएसएमई क्षेत्र को जरूरत के हिसाब से वित्त मुहैया कराने, बैंक सेवाओं से वंचित आबादी को बैंक दायरे में लाने और बीमा पहुंच बढ़ाने में मदद करनी होगी। सीतारमण ने कहा कि प्रौद्योगिकी बैंक परिदृश्य को तेजी से बदल रही है क्योंकि यह सभी ग्राहकों को सुरक्षित एवं आसानी से संचालित किया जा सकने वाला डिजिटल बैंकिंग अनुभव देती है।

हालांकि इसके साथ ही उन्होंने बैंकों के लिए प्रौद्योगिकी सुरक्षा पर भी जोर देने के लिए कहा।

वित्त मंत्री ने कहा, आप (बैंक) ऐसी डिजिटल प्रणाली नहीं रख सकते हैं जो कहीं भी हैक हो जाए और पूरी प्रणाली एवं उस पर आधारित भरोसा खतरे में पड़ जाए। इसके लिए आपको एक मजबूत प्रणाली चाहिए। आपको हर बार यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम मौजूद हैं और किसी भी आपातकालीन स्थिति में किस तरह के कदम उठाने होंगे।

कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव से पेट्रोल-डीजल कीमतों में कटौती 'अटकी'

नई दिल्ली/भाषा। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव रहने की वजह से पेट्रोल एवं डीजल की घरेलू कीमतों में लागत घटने के बावजूद कोई कटौती नहीं हो पा रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के पहले भी कीमतों में कटौती के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा पिछले सप्ताह 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जो दिसंबर, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर था। लेकिन बाद में इसका भाव फिर से चढ़ गया। बृहस्पतिवार को ब्रेंट 74.58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल को रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम गिरने से ईंधनों की कीमतों में कटौती की भी उम्मीदें बढ़ने लगती हैं। लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस साल की शुरुआत में चुनाव-पूर्व कटौती को छोड़कर अब दो साल से अधिक समय से स्थिर बनी हुई हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपना नाम सामने न आने की शर्त पर कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। कीमतें एक दिन 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गईं, लेकिन उसके बाद फिर से बढ़ गई हैं।'' उन्होंने कहा कि कच्चे तेल का उतार-चढ़ाव बने रहने तक इस बात की संभावना कम ही है कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियां अपनी लागत के अनुरूप कीमतों में संशोधन करें। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों ईंधन खुदरा विक्रेता कंपनियां लंबे समय से पेट्रोल और डीजल पर अच्छा मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन कीमतों में कटौती का फैसला करने से पहले वे कीमतों में सुधार की प्रवृत्ति सुनिश्चित करना चाहती हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार के 500 अरब डॉलर तक पहुंचने की क्षमताः पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ह्यूस्टन/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत के छठे सबसे बड़े ऊर्जा व्यापार साझेदार अमेरिका के साथ बढ़ता द्विपक्षीय व्यापार 200 अरब डॉलर के मौजूदा स्तर से बढ़कर 500 अरब डॉलर से भी आगे निकलने की क्षमता रखता है।

पुरी ने ऊर्जा कंपनियों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन में कहा कि दोनों देशों के बीच हाइड्रोकार्बन व्यापार वित्त वर्ष 2023-24 में 13.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो 2018-19 के आंकड़े से लगभग दोगुना है। यहां 'वैश्विक ऊर्जा सम्मेलन गैस्टेक-2024' के मौके पर आयोजित इस गोलमेज सम्मेलन में यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मुकेश अघी और ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्यदूत डी सी मंजूनाथ ने भी शिरकत की। पुरी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के पहले दो महीनों में 2.43 अरब डॉलर मूल्य के हाइड्रोकार्बन व्यापार के साथ अमेरिका अब भारत का छठा बड़ा ऊर्जा व्यापार साझेदार बन चुका है। यह रफ्तार दोनों देशों के कुल द्विपक्षीय व्यापार के 200 अरब डॉलर से बढ़कर 500 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना को दर्शाती है। पेट्रोलियम मंत्री ने अपनी अमेरिका यात्रा में भारत-अमेरिका व्यापार परिषद (यूएसआईबीसी) एवं भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) के हितधारकों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ मिलकर यूएस-इंडिया ऊर्जा साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। पुरी ने कहा कि जी20 समूह की अध्यक्षता रहते समय भारत ने अमेरिका और अन्य समान विचारधारा वाले देशों के सहयोग से वैश्विक जैव-ईंधन गठजोड़ की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य कम कार्बन उत्सर्जन वाले समाधान विकसित करना और उन्हें लागू करना है।

जोखिम वाले गैर-लाभकारी संगठनों के मामले में बारीक नजर रखेगा भारतः अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जोखिम वाले गैर-लाभकारी संगठनों से निपटने के लिए बारीक नजर रखेगा। यह मुद्दा वैश्विक अपराध निगरानी संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने अपनी रिपोर्ट में उठाया है। हालांकि, रिपोर्ट में आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लांड्रिंग से निपटने के प्रयासों की सराहना की गयी है।

वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (राजस्व) विवेक अग्रवाल ने कहा कि भारत ने वित्तीय कार्रवाई कार्यबल के छह मामलों में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसमें जोखिम, नीति और समन्वय, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, वित्तीय आसूचना, जब्ती तथा वित्तपोषण का प्रसार शामिल हैं। गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) के दुरुपयोग और आतंकवाद को वित्तपोषण प्रतिबंधों के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग तथा आतंकवाद वित्तपोषण मामलों के अभियोजन सहित पांच अन्य मापदंडों पर भारत को मध्यम रेटिंग मिली है। अग्रवाल ने आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए गैर-लाभकारी संगठनों के दुरुपयोग के संबंध में कहा कि भारत में एनपीओ के दुरुपयोग की गुंजाइश बहुत कम है क्योंकि नकद चंदे पर एक सीमा है।

उन्होंने कहा, ''हम यह मामला बनाने की कोशिश कर रहे थे कि नियामकीय ढांचा बेहतर है... उनका मामला यह है कि चूंकि गैर-लाभकारी संगठनों का क्षेत्र बहुत बड़ा है, हमारे पास अच्छे जोखिम-आधारित उपाय होने चाहिए... हमें जोखिम वाले एनपीओ की पहचान करने के लिए अधिक सख्त दृष्टिकोण का कोई मामला नजर नहीं आता है।''

सिंधिया ने आरक्षण को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा, कहा : भाजपा आंबेडकर को पूजती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी पर हमला करते हुए दावा किया कि कांग्रेस नेता ने आरक्षण खत्म करने की बात की है जबकि भाजपा दलितों के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर को देवता की तरह पूजती है।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि गांधी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के खिलाफ हैं, क्योंकि उन्होंने एक अमेरिकी विश्वविद्यालय में छात्रों से कहा है कि जब भारत एक माकूल जगह होगी तो कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेगी, जबकि फिलहाल ऐसा नहीं है। सिंधिया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि विदेशी धरती पर कांग्रेस नेता ने आरक्षण पर अपनी पार्टी के विचार बिल्कुल स्पष्ट कर दिए हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने कहा है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह (डॉ. आंबेडकर द्वारा दिया गया) आरक्षण खत्म कर देगी। सालों तक गांधी के करीबी सहयोगी रहे सिंधिया 2020 में भाजपा में शामिल हुए और बाद में उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया गया।

एक सवाल के उत्तर में सिंधिया ने दावा किया, '' मैं दलित और आदिवासी समुदाय के भाइयों और बहनों को सावधान करना चाहता हूं। अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो वह उनका उसी तरह अपमान करेगी, जिस तरह उसने बाबा साहब आंबेडकर को उनके जीवित रहते किया था।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत के संविधान के मुख्य निर्माता डॉ. आंबेडकर को चुनाव में हराया और जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा कि जब भी भाजपा ने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी या नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाई, तो उसने डॉ आंबेडकर को देवता की तरह पूजा।

पूर्ववर्ती ग्वालियर राजघराने के वंशज सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दलितों और आदिवासियों के विकास के लिए काम कर रहे हैं तथा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के प्रत्येक आदिवासी गांव के विकास के लिए 80 हजार करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है।

उन्होंने कहा कि लेकिन राहुल गांधी जी ने विदेशी धरती पर कहा कि उनकी पार्टी आरक्षण खत्म कर देगी। उन्होंने कहा,'' मैं दलित और आदिवासी समुदाय के भाइयों और बहनों से आह्वान करता हूं कि वे जागें और हमारे साथ आगे बढ़े एवं कांग्रेस का सामना करें, जो अपने अंत के करीब है।''

कठुआ आतंकी हमले की मजिस्ट्रेट जांच शुरू, जनता से बयान और साक्ष्य मांगे गए

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में हुए आतंकवादी हमले की मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें दो आतंकवादी मारे गए थे और एक कॉन्स्टेबल की जान चली गई थी। इस हमले में जनता से बयान और साक्ष्य मांगे गए हैं।

कठुआ की हीरानगर तहसील के सैदा-सोहल गांव में 12 और 13 जून को तलाशी और घेराबंदी अभियान के दौरान हुई भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान की जान चली गई थी।

25 वर्ष के भीतर अंतरराज्यीय चीता संरक्षण परिसर का निर्माण करना है भारत का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का लक्ष्य अगले 25 वर्ष के भीतर मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुनो-गांधी सागर परिक्षेत्र में एक अंतर-राज्यीय चीता संरक्षण परिसर का निर्माण करना है। 'प्रोजेक्ट चीता' की 2023-24 की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

'प्रोजेक्ट चीता' के दो वर्ष पूरे होने पर 17 सितंबर को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस वर्ष के अंत तक गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में चीतों का एक नया समूह लाए जाने की संभावना है तथा उन्हें अगले पांच वर्ष तक खुले परिवेश में छोड़ा जाएगा।

''गांधी सागर में चीता लाने की कार्य योजना'' के अनुसार पहले चरण में पांच से आठ चीतों को 64 वर्ग किलोमीटर के शिकारी-रोधी बाड़ वाले क्षेत्र में छोड़ा जाएगा, जिसमें प्रजनन पर ध्यान दिया जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य प्रदेश और राजस्थान की अंतरराज्यीय सीमा पर ये दोनों स्थल एक-दूसरे से सटे हुए हैं।

इसमें कहा गया है कि 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत देश का लक्ष्य अगले 25 वर्ष के भीतर मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुनो-गांधी सागर परिक्षेत्र में एक अंतर-राज्यीय चीता संरक्षण परिसर का निर्माण करना है।

यह व्यापक कूनो-गांधी सागर परिक्षेत्र मध्य प्रदेश के श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, गुना, अशोकनगर, मंदसौर और नीमच जिलों और राजस्थान के बारां, सवाई माधोपुर, करौली, कोटा, झालावाड़, बूंदी और चित्तौड़गढ़ जिलों में स्थित है। रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र से सटे मध्य प्रदेश के भिंड और दतिया जिले, राजस्थान के धौलपुर तथा उत्तर प्रदेश के ललितपुर और झांसी को इस परिसर का हिस्सा बनाया जाएगा जो इस बात पर निर्भर करेगा कि चीते इस क्षेत्र का किस प्रकार इस्तेमाल करते हैं।

अधिकारी 368 वर्ग किलोमीटर के गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य को चीतों के अगले समूह के लिए तैयार करने में व्यस्त हैं जबकि कुनो में चीते केवल 0.5 से 1.5 वर्ग किलोमीटर के आकार वाले बाड़ों के अंदर ही रह रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार तीन चीतों एक मादा टिबिलिसी (नामीबिया से) और दो दक्षिण अफ्रीकी नर चीतों तेजस और सोराज की 'सेप्टीसीमिया' से मौत के बाद जानवरों को उनके बाड़ों में वापस लाया गया था। 'सेप्टीसीमिया' एक संक्रमण है जो तब होता है जब बैक्टीरिया रक्तप्रवाह में प्रवेश करते हैं और फैलते हैं।

सीबीआई अदालत ने आरोप मुक्त करने की दो माकपा नेताओं की अर्जी खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामलों की विशेष अदालत ने बृहस्पतिवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता पी.जयराजन और पूर्व विधायक टी.वी. राजेश की आरोप मुक्त करने की याचिका खारिज कर दी। दोनों नेताओं ने 2012 में मुस्लिम स्टुडेंट्स फेडरेशन (एमएसएफ) के कार्यकर्ता की हत्या से जुड़े मामले को रद्द करने का अनुरोध किया था।

विशेष न्यायाधीश पी.सबरीनाथन ने वाम नेताओं द्वारा आरोप मुक्त करने के लिए जनवरी 2023 में दाखिल की गई याचिका रद्द कर दी। सीबीआई ने जयराजन और राजेश के खिलाफ हत्या और षडयंत्र का आरोप लगाया है। एजेंसी द्वारा दाखिल आरोप पत्र के मुताबिक आरोपियों ने अस्पताल में रची गई साजिश में कथित तौर पर हिस्सा लिया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की युवा इकाई के कार्यकर्ता शुकूर की 20 फरवरी 2012 को हत्या कर दी गई थी। घटना कथित तौर पर जयराजन और राजेश के काफिले पर हमले की वजह से की गई।

केरल की शराब की दुकानों में करीब 50% महिला कर्मचारी

तिरुवनंतपुरम। पूरे देश में शराब की दुकानों में महिलाओं का काम करना अब भी सामाजिक वर्जना के तौर पर देखा जाता है; लेकिन केरल इसका अपवाद है। राज्य की सरकारी शराब विपणन कंपनी केरल स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन (बेवको) के मुताबिक अब उसके कर्मचारियों में करीब 50 प्रतिशत महिलाएं हैं। केरल देश का संभवत: पहला राज्य है जहां पर शराब की दुकानों में इतनी संख्या में महिला कर्मचारी काम कर रही हैं। यहां इसे अन्य सरकारी नौकरी की तरह एक नौकरी के रूप में देखा जाता है।

तिरुवनंतपुरम स्थिति बेवको की एक दुकान पर गत दो साल से काम कर रहीं लीना ने पीटीआई-भाषा' को बताया, शुरुआत में मैं बहुत घबराई हुई थी क्योंकि हम इसे मुश्किल मानते थे लेकिन छह महीने काम करने के बाद मुझे अच्छा लगने लगा। हमें शायद की कोई मुश्किल होती है।'' कई महिला कर्मचारियों के परिवारों को शुरुआत में उनके शराब की दुकान में काम करने को लेकर आशंकाएं थीं लेकिन ये महिलाएं ही थीं जिन्होंने बेवको में काम करने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

केएसबीसी की प्रबंध निदेशक हर्षिता अत्तालुरी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, दस साल पहले महिलाएं अदालत गईं और बेवको में काम करने का अपना अधिकार प्राप्त किया। इससे पहले शराब की दुकानों में काम करने के लिए महिलाओं की भर्ती नहीं की जाती थी और अदालत ने सरकार को महिलाओं की भर्ती करने का निर्देश दिया था। अब हमारे कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है।' उन्होंने बताया कि शुरुआत में बेवको की दुकानों को महिलाओं के काम करने के लिहाज से मुश्किल माना जाता था लेकिन समय बीतने के साथ महिलाओं ने पाया कि उन दुकानों में काम करना सुरक्षित है और शायद ही उन्हें किसी मुश्किल का सामना करना पड़ता है।

अत्तालुरी ने बताया, अगर ग्राहक द्वारा दुर्व्यवहार की कोई शिकायत सामने आती है तो हम तत्काल प्रतिक्रिया करते हैं और पुलिस कार्रवाई करती है। शराब की दुकान में काम करने वाली एक अन्य महिला कर्मचारी संगीता ने कहा, हमारी एक ही समस्या यह है कि काम के घंटे अधिक है लेकिन प्रत्येक पेशे की अपनी चुनौती होती है। हमने पाया कि अधिकतर ग्राहकों का व्यवहार मित्रवत और सहयोगात्ममक रहता है। बेवको कर्मचारियों को सुबह 10 बजे से रात नौ बजे तक काम करना होता है और सरकार द्वारा घोषित 'ड्राई डे' के दिन ही छुट्टी मिलती है।

एक देश, एक चुनाव ध्यान भटकाने वाली रणनीति, अव्यावहारिक : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को केंद्र के एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव को अव्यावहारिक और ध्यान भटकाने वाली रणनीति करार देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार इसे कभी लागू नहीं कर पाएगी।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक देश एक चुनाव एक अव्यवहारिक प्रस्ताव है जो भारत की विविधतापूर्ण चुनावी प्रणाली की जटिलताओं को नजरअंदाज करता है और संघवाद को कमजोर करता है। चुनाव चक्रों, क्षेत्रीय मुद्दों और शासन प्राथमिकताओं में भारी अंतर को देखते हुए यह तार्किक रूप से अव्यवहारिक है। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी पदों के अवास्तविक संरेखण की आवश्यकता होगी, जिससे शासन की स्वाभाविक प्रक्रिया बाधित होगी। उन्होंने कहा, यह पूरा प्रस्ताव भाजपा के अहंकार को संतुष्ट करने का एक प्रयास मात्र है, लेकिन वे इसे कभी लागू नहीं कर पाएंगे। भारत के लोकतंत्र को किसी एक पार्टी के लालच के लिए नहीं झुकाया जा सकता। केंद्र सरकार को इन ध्यान भटकाने वाली युक्तियों पर ऊर्जा बर्बाद करने के बजाय बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और राज्यों को संसाधनों के समान वितरण जैसे ज्वलंत मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए।

पूजा और दिवाली त्यौहार के लिए अतिरिक्त ट्रेन

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 06083/06084 कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु-कोचुवेली साप्ताहिक की 6 विशेष सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन संख्या 06083 कोचुवेली-एसएमवीटी बेंगलूरु साप्ताहिक स्पेशल की सेवा 01, 08 , 15 , 22 , 29 अक्टूबर और 05 नवंबर को चलेगी। ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को 18.05 बजे कोचुवेली से रवाना होने वाली और अगले दिन 10.55 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। वहीं वापसी में ट्रेन संख्या 06084 एसएमवीटी बेंगलूरु - कोचुवेली साप्ताहिक स्पेशल, जो बुधवार को 12.45 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होकर अगले दिन 06.45 बजे कोचुवेली पहुँचेगी। इस ट्रेन की सेवा 02 , 09 , 16 , 23 , 30 अक्टूबर और 06 नवंबर, को चलेगी।

भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा प्रतियोगिताएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा के दौरान 18 सितम्बर को हिंदी अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन महाप्रबंधक(क्षेत्र) प मुत्तुमारन की अध्यक्षता में किया गया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी के समावेश से ही कार्यालय में राजभाषा का विकाश होगा एवं सभी प्रेरित किए कि हिंदी पखवाड़े के दौरान दैनिक कार्यालयिन कार्यो में वृद्धि करें व निर्णायककर्ता के रुप में एसबीआई के सेवानिवृत्त सहायम महाप्रबंधक(राजभाषा) डॉ.एस विजया उपस्थित थे। हिंदी समाचार पत्र पठन प्रतियोगिता का आयोजन उप.महाप्रबंधक (राजभाषा) अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किए एवं अपने संबोधन में कहा कि कार्यालय के सभी कार्मिकों को रोजाना हिंदी समाचार पत्र पढ़ना चाहिए ताकि हिंदी ज्ञान में वृद्धि हो सकें। इस प्रतियोगिता के निर्णायककर्ता के रुप में सहायक महाप्रबंधक राणा अजय संतोषी, एवं अशोक कुमार उपस्थित थे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ भाग लिया।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट श्रृंखला के खिलाफ हिंदू संगठन ने किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कथित हिंसा की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को चेन्नई में हिंदू मक्कल काची (एचएमके) ने विरोध प्रदर्शन किया और उनकी सुरक्षा की मांग उठाई।

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार और भारतीय क्रिकेट टीम से भारत-बांग्लादेश टेस्ट श्रृंखला रोकने का आग्रह किया। एचएमके प्रमुख अर्जुन संपत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए और केंद्र सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र से बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा करने एवं बांग्लादेश-भारत क्रिकेट टेस्ट श्रृंखला पर 'प्रतिबंध' लगाने की मांग की।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए संपत ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। उन्होंने दावा किया कि 1971 में जब बांग्लादेश आजाद हुआ था, तब वहां हिंदुओं की संख्या 26 प्रतिशत थी और अब यह घटकर मात्र सात प्रतिशत रह गई है और बचे हुए हिंदुओं को भी कोई सुरक्षा नहीं मिल रही है। हिंदुओं के नरसंहार का आरोप लगाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है और हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच बृहस्पतिवार को यहां पहला टेस्ट क्रिकेट मैच शुरू हुआ।

यौन उत्पीड़न मामले में फिल्म निर्देशक प्रकाश से पूछताछ, अग्रिम जमानत पर रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम। केरल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने बृहस्पतिवार को प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक वी. के. प्रकाश को यौन उत्पीड़न मामले में अग्रिम जमानत पर रिहा कर दिया। पल्लीथोट्टम पुलिस थाने के अधिकारियों ने बताया कि प्रकाश से दो दिन तक पूछताछ की गई। इसके बाद जमानत आदेश में उल्लेखित उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार उन्हें तीसरे दिन रिहा कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने गत दो दिन में उनसे पूछताछ की और यह तीसरे दिन भी जारी रही। इसके बाद हमने उन्हें उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार उन्हें अग्रिम जमानत पर रिहा कर दिया।

एक महिला पटकथा लेखक ने प्रकाश पर अप्रैल 2022 में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जब उन्होंने एक संभावित फिल्म की पटकथा सुनाने के लिए उनसे संपर्क किया था।

उन्होंने ये खुलासे न्यायमूर्ति के हेमा समिति की रिपोर्ट जारी होने के बाद किए, जिसमें मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के सामने आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया गया था। प्रकाश ने हालांकि इन आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है, क्योंकि उन्होंने महिला से कहा था कि उसकी कहानी फिल्म बनाने लायक नहीं है।

केरल उच्च न्यायालय ने प्रकाश को अग्रिम जमानत देते हुए कहा था कि हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आरोपी अदालत द्वारा लगाई गई किसी भी कठोर शर्त का पालन करने तथा जांच अधिकारी के साथ सहयोग करने को तैयार है। अदालत ने निर्देश दिया कि उन्हें जमानत पर रिहा करने से पहले जांच अधिकारी उनसे तीन दिन तक सुबह नौ बजे से अपराह्न बजे के बीच पूछताछ करे और यदि आवश्यक हो तो उनकी चिकित्सा जांच भी कराए।

कल्लाकुरिची में जहरीली शराब से संबंधित मामले में उच्च न्यायालय ने आदेश सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने उन याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को आदेश सुरक्षित रख लिया, जिनमें कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से लगभग 60 लोगों की मौत के मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का अनुरोध किया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार और न्यायमूर्ति पी. बी. बालाजी की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की लंबी दलीलें सुनने के बाद बिना तारीख बताए आदेश सुरक्षित रख लिया।

तमिलनाडु सरकार की ओर से महाधिवक्ता पी. एस. रमन और अतिरिक्त महाधिवक्ता जे. रवींद्रन ने दलीलें रखीं। अपनी याचिका में, याचिकाकर्ता आई.एस. इंबादुरई ने 19 जून को कल्लाकुरिची जिले में हुई घटना की सीबीआई जांच का अनुरोध किया है।

दो सिर और चार आंख वाला दुर्लभ बछड़ा पैदा हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/दक्षिण भारत। जिले के किन्निगोली इलाके में दो सिर वाला दुर्लभ बछड़ा पैदा हुआ है जिसे देखने के लिए पशु चिकित्सकों समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र हो रहे हैं। फिलहाल बछड़े का स्वास्थ्य अच्छा है, लेकिन इसका भविष्य अनिश्चित है। मंगलूरु के किन्निगोली में गौशाला के मालिक जयराम जोगी ने बताया कि मंगलवार को उनकी एक गाय ने इस विचित्र दोमुंहे बछड़े को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि गाय बछड़े की देखभाल ठीक से कर रही है, लेकिन बछड़ा अभी ठीक से दूध नहीं पी पा रहा है जिसके चलते उसे बोतल से दूध पिलाया जा रहा है।

इतना ही नहीं दो सिर होने के चलते बछड़ा अपने पैरों पर खड़े होने का प्रयास करते हुए बार-बार गिर जा रहा है। पशु चिकित्सकों ने बताया कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि बछड़ा अपने शरीर का संतुलन नहीं बना पा रहा है। पशु चिकित्सकों ने बताया कि बछड़े की इस स्थिति को 'पॉलीसेफली' कहा जाता है। इसमें किसी जानवर को एक से ज्यादा सिर होते हैं। इस बछड़े के दो सिर आपस में जुड़े हुए हैं जबकि उसका शरीर एक ही है। उसकी चार आंखें हैं लेकिन केवल ऊपर की दो आंखों में रोशनी है।

स्थानीय पशु चिकित्सक ने बछड़े की जांच करके बताया कि फिलहाल वह स्वस्थ है। हालांकि, उसका जीवित रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि उसे कितनी अच्छी देखभाल मिल पाती है। पॉलीसेफली से पीड़ित ज्यादातर बछड़े या तो मृत पैदा होते हैं या फिर कुछ समय बाद ही मर जाते हैं। जोगी ने बताया कि फिलहाल कई पशु चिकित्सक उसकी देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि बछड़ा जल्द ही अपने पैरों पर खड़ा होकर चलने लगेगा।

कर्नाटक में अघोषित आपातकाल : केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की तुलना हिटलर से करते हुए आरोप लगाया कि कर्नाटक में 'अघोषित आपातकाल' है। उन्होंने अपने और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक के खिलाफ मामले दर्ज करने के लिए कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि न तो वह और न ही उनकी पार्टी के कार्यकर्ता और नेता ऐसे मामलों और धमकियों से डरेंगे और वे सरकार की कथित 'तुष्टीकरण की राजनीति' के खिलाफ लड़ते रहेंगे। मंड्या जिले के नागमंगला कस्बे में हाल में हुई हिंसा के संबंध में सोशल मीडिया पर कथित रूप से 'गलत सूचना' साझा करने के आरोप में करंदलाजे और अशोक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

करंदलाजे ने कहा, कर्नाटक में एक तरह का अघोषित आपातकाल है। सिद्दरामय्या मुख्यमंत्री बनने के बाद हिटलर बन गए हैं। भाजपा सांसदों और विधायकों के खिलाफ लगातार प्राथमिकी दर्ज की जा रही हैं। राज्य के इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है, साथ ही बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सोमवार को ईद-ए-मिलाद जुलूस के दौरान मुख्यमंत्री के गृह जिले मैसूर में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए गए। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार के नरम रुख और उसकी तुष्टीकरण की राजनीति के कारण आप कर्नाटक के बहुसंख्यक हिंदुओं को बलि का बकरा बना रहे हैं। करंदलाजे ने आरोप लगाया कि भाजपा और हिंदू कार्यकर्ताओं पर मामले दर्ज करके उन्हें धमकाया जा रहा है।

संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रदेश सचिव सी. मुनिराजू, प्रदेश प्रवक्ता सुरभि होदिगेरे, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक केसी राममूर्ति, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए।

कृषि विकास में निजी भागीदारी महत्वपूर्ण : कृषि मंत्री चालुवरायस्वामी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कृषि मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने कहा कि भारत एक कृषि आधारित देश है और किसानों को सशक्त बनाने के प्रयासों में सरकार के साथ-साथ निजी संगठनों और वैज्ञानिकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शहर के पैलेस ग्राउंड में आयोजित मल्टीप्लेक्स संगठन के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि यह उन कई संगठनों में से एक है जो कृषि का हिस्सा हैं और राज्य के कृषि क्षेत्र में सबसे आगे हैं।

रासायनिक उत्पादों के अलावा, मल्टीप्लेक्स गुणवत्तापूर्ण पर्यावरण-अनुकूल, बहुउद्देश्यीय जैव-उर्वरक का उत्पादन कर रहा है जिससे उद्योग में सफलता मिली है। इसी कारण से, मंत्री ने इस बात की सराहना की कि इस संस्थान की प्रयोगशालाओं को भी एनएडीएल मान्यता प्राप्त है। अनुसंधान, विनिर्माण और आपूर्ति के क्षेत्र में मल्टीप्लेक्स कॉर्पोरेशन की 50 वर्षों की सेवा अभूतपूर्व सफलता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संस्थापक जीपी शेट्टी और इसका नेतृत्व कर रहे महेश शेट्टी की कड़ी मेहनत, दूरदर्शी सोच और पेशेवर कौशल सराहनीय हैं। राज्य सरकार ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए दर्जनों योजनाएं बनाई और क्रियान्वित की हैं।

चालुवरायस्वामी ने कहा कि कृषि, मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्राथमिकता दी गई है और पिछले साल इस पर लगभग 1 हजार करोड़ रुप खर्च किए गए थे। कृषि मंत्री ने कहा कि हाई-टेक हार्वेस्टर हब परियोजना लागू की गई है और किसानों द्वारा उगाई गई फसलों की कटाई प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए किसानों और संघों को बड़ी मशीनें दी जा रही हैं।

सऊदी अरब के राजकुमार, केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, जिबूती के कृषि मंत्री मोहम्मद अहमद अवले, दिल्ली राज्य सरकार के प्रतिनिधि टीबी जयचंद्र, मल्टीप्लेक्स के संस्थापक जीपी शेट्टी, प्रबंध निदेशक महेश शेट्टी और उनके इस मौके पर गॉडमदर शेषता एम. शेट्टी मौजूद रहीं।

नागमंगला हिसा पर भड़काऊ 'बयान' देने के लिए शोभा करंदलाजे और नेता अशोक पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नागमंगला में गणेश मूर्ति विसर्जन की शोभा यात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प के बाद कथित रूप से भड़काऊ बयान देने के लिए केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की शिकायत के आधार पर मंड्या जिले के नागमंगला कस्बे के पुलिस थाने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गईं। उसने बताया कि ये मामले भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाने) के तहत दर्ज किए गए हैं।

करंदलाजे ने 13 सितंबर को एक पोस्ट में कहा था, प्रथम पूज्य गणेश को कर्नाटक के मंड्या में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है!! राष्ट्र विरोधियों ने शोभा यात्रा के दौरान गणेश की मूर्ति पर पत्थर और चप्पल फेंके और 25 से अधिक दुकानों को जला दिया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और गृह मंत्री जी. परमेश्वर दोषियों को बचा रहे हैं तथा घटना पर परदा डाल रहे हैं।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री ने आरोप लगाया था, कमजोर पुलिस गणेश प्रतिमा को पुलिस वाहन में रखकर ले गयी। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति

पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। कांग्रेस शासन में हिंदू परित्यक्त और अनाथ महसूस कर रहे हैं। अशोक ने प्रत्यक्षदर्शियों का हवाला देते हुए अपने सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया था कि नागमंगला में हुए सांप्रदायिक दंगों में तीन बदमाशों ने 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए थे और इस घटना में प्रतिबंधित संगठनों के शामिल होने का संदेह और मजबूत हुआ था।

पुलिस के अनुसार, 11 सितंबर की रात को जब बद्री कोप्पलू गांव के भक्तों द्वारा निकाली गयी गणेश मूर्ति की शोभायात्रा नागमंगला में एक पूजा स्थल पर पहुंची तो दो समूहों के बीच बहस शुरू हो गई और कुछ बदमाशों ने पत्थर फेंके, जिससे कस्बे में स्थिति बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के बीच झड़प के बाद बुधवार रात कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की गई और सामान तथा वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के मकसद से भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संक्षिप्त खबरें

भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मेवाड़ का शौर्य-पराक्रम देश-विदेश के लिए प्रेरणास्रोत : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का मूल हैं। एक व्यक्ति के पेड़ लगाने से आने वाली कई पीढ़ियों को वृक्षों द्वारा प्राणवायु मिलती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। हमने 'हरियालो राजस्थान' के अंतर्गत प्रदेशभर में 7 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए हैं और एक दिन में दो करोड़ पेड़ लगाकर कीर्तिमान स्थापित किया है। पांच साल में 50 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का हमने लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

शर्मा गुरूवार को चित्तौड़गढ़ के नरबदिया स्थित अनगढ़ बावजी परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रकृति की सेवा और मां के प्रति सम्मान के लिए शुरू किए गए अभियान के अंतर्गत आमजन एक पेड़ लगाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि मोदी सामाजिक सरोकारों के प्रेरणापुंज हैं। उनके द्वारा चलाए गए स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जन जागरूकता के प्रमुख वाहक बन गए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने अनगढ़ बावजी तपोस्थली पहुंचने पर संत शिरोमणि 1008 अमरा भगत की धूणी पर घी की आहूति दी एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने सभास्थल पर ही मंत्रोच्चार के साथ पीपल का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता बढ़ाने का संदेश दिया। इस अवसर पर 1008 जोड़ों ने भी विधि विधान के साथ पूजा कर वृक्षारोपण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मंत्रिगण प्रदेशभर का दौरा कर, सचिवालय में बैठक और जनसुनवाई कर दिन-रात जनता की सेवा कर रहे हैं। हमने संकल्प पत्र में किए वादों एवं परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं को अविलम्ब धरातल पर उतारा है। हाल ही में 10 हजार करोड़ रूपए से ज्यादा की परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों का शुभारंभ, शिलान्यास एवं लोकार्पण हर क्षेत्र और हर वर्ग के विकास के प्रति हमारे दृढ़संकल्प को दर्शाते हैं।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश की 200 विधानसभाओं की करीब 8 करोड़ जनता के विकास एवं कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। प्रदेश की हर पंचायत एवं गांव में विकास कार्य स्वीकृत कर उनकी क्रियान्विति सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक विधानसभा की प्रोफाइलिंग करने के निर्देश दिए हैं, जिससे एक कार्ययोजना के अंतर्गत वर्षाजनित समस्याओं का समयबद्ध रूप से निस्तारण एवं विकास कार्यों की रूपरेखा सुनिश्चित की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ठोस कार्य योजना पर काम कर रही है और वर्ष 2027 तक किसानों को दिन के समय में भी बिजली उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही, उद्योग एवं घरेलू उपभोक्ताओं को भी पर्याप्त बिजली मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि उद्योग, पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए पानी की आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ईआरसीपी, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर एवं यमुना जल समझौता जैसे अहम कदमों से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गतिशील है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से गोपालकों के लिए एक लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा प्रदान की है। इसके तहत गोपालक गाय-भैंस खरीद सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अनगढ़ बावजी परिसर में स्थित गौशाला को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। साथ ही, उन्होंने भादसोड़ा उप तहसील को तहसील बनाने एवं अनगढ़ बावजी स्थित विद्यालय के क्रमोन्नयन करने की मांग पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन भी दिया।

दौसा में 17 घंटे गड्ढे में फंसी बच्ची को सकुशल निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में 35 फुट गहरे गड्ढे में गिरी दो साल की बच्ची को 17 घंटे की मशक्कत के बाद बृहस्पतिवार सुबह सकुशल निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिले में बांदीकुई थानाक्षेत्र के जोधपुरिया गांव में दो साल की बच्ची नीरू बुधवार शाम पांच बजे खेलते -खेलते एक बोरवेल के समीप 35 फुट गहरे गड्ढे में गिर गई थी। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के कमांडेंट राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि बच्ची 30 फुट की गहराई पर फंसी हुई थी तथा बुधवार शाम सूचना मिलते ही दौसा से एसडीआरएफ की बचाव टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई एवं बटालियन मुख्यालय गाडोता से जरूरी उपकरणों के साथ अनुभवी जवानों की विशेषज्ञ टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले बचाव दलों ने बोरवेल में 'वीएलसी कैमरा' डाल कर बच्ची पर निगरानी रखी और उसतक ऑक्सीजन पहुँचाई तथा स्थानीय प्रशासन ने बोरवेल से 15 फीट की दूरी पर जेसीबी एवं एलएनटी मशीनों की मदद से खुदाई का कार्य जारी। उन्होंने बताया कि समय-समय पर बालिका को बोतल से पानी एवं दूध पीने के लिए दिया गया तथा जेसीबी मशीनों से करीब 30 फीट की खुदाई करने के बाद सुरंग बनाने का कार्य शुरू किया गया।

सिसोदिया ने बताया कि एसडीआरएफ के दो जवानों संदीप कुमार तथा बजरंग लाल ने 20 फुट सुरंग से आगे खुदाई शुरू की तथा तीन फुट और खुदाई करने के बाद दोनों जवानों को सुबह करीब 10 बजकर10 मिनट पर सफलता प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि दोनों जवानों ने 23 फीट लम्बी सुरंग से 35 फीट की गहराई में फंसी बच्ची नीरू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

राजस्थान के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान में कुछ जगहों पर बीते 24 घंटे में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह 8.30 बजे तक की पिछले 24 घंटे की अवधि में राजाखेड़ा में 60 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा भरतपुर में 40 मिलीमीटर, धौलपुर, बाड़ी, रूपवास, करौली, बसेड़ी, डीग और डूंगरपुर में 30-30 मिमी. बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सैपऊ, कामां, उदयपुरवाटी, कुम्हेर व देवल में 20-20 मिमी. बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार पूर्वी राजस्थान में 19 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश दर्ज होने की संभावना है। वहीं पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में आगामी 24 घंटे के दौरान मेघ गर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की प्रबल संभावना है।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरूवार को कोटा के महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में 68वीं राज्य स्तरीय उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का ध्वजारोहण एवं गुब्बारे छोड़कर शुभारंभ किया। प्रतियोगिता के उद्घाटन के बाद उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं आमजन को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि खेल में जीत-हार होती रहती है लेकिन खेल भावना रखते हुए किसी के प्रति मन में कटुता का भाव नहीं लाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा के माध्यम से आगे बढ़ने की ललक होती है। उन्होंने उपस्थित खिलाड़ियों का आव्हान किया कि वे जीवन में आने वाली समस्त चुनौतियों एवं खतरों का सामना करते हुए आगे बढ़ें। उन्होंने जिला स्तर पर चयनित होने के बाद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

शिक्षा मंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश को पॉलिथीन मुक्त बनाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि स्टेडियम में मौजूद सभी खिलाड़ी आज यह संकल्प लेकर जाएं कि पॉलिथीन का किसी भी कीमत पर उपयोग नहीं करेंगे और अपने परिवार एवं आस-पड़ोस के लोगों को पॉलिथीन का इस्तेमाल नहीं करने के लिए जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि पॉलिथीन खाने से गौवंश की मृत्यु हो रही है। भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। माइक्रोप्लास्टिक कण विभिन्न माध्यमों से मानव शरीर में जा रहे हैं जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने गौवंश को बचाने के लिए प्लास्टिक का उपयोग बंद करने का आह्वान किया।

शिक्षा मंत्री ने इस प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोग करने वाले भामाशाहों तथा आयोजकों को साधुवाद दिया। उद्घाटन कार्यक्रम कोटा जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर अनिल सिंघल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कोटा के.के. शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए हुए करीब 3 हजार खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट किया। शिक्षा मंत्री एवं अन्य अतिथियों ने मार्चपास्ट की सलामी ली। मार्चपास्ट में जैसलमेर जिले की टीम प्रथम, केकड़ी द्वितीय एवं पाली जिले की टीम तृतीय रही। विजेता टीमों के कप्तान एवं दल प्रभारी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि 19 से 24 सितम्बर तक चलने वाली इस राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 14 वर्ष तक की आयु के छात्र-छात्राओं के लिए सॉफ्टबॉल तथा 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए शतरंज प्रतियोगिता आयोजित होंगी। प्रतियोगिता में सॉफ्टबॉल खेलों का आयोजन जिले के राजकीय मल्टीपरपज स्कूल, गुमानपुरा में जबकि शतरंज खेलों का आयोजन महात्मा गांधी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामपुरा में होगा।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज से जयपुर में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चयापचय (मेटाबॉलिज्म) की जन्मजात विकारों पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार से यहां शुरू होगा। आयोजकों के अनुसार इस सम्मेलन में लगभग 500 प्रतिनिधि और छह अंतरराष्ट्रीय वक्ता भाग लेंगे। 'इंडियन सोसायटी फोर इन बोर्न एरर्स ऑफ मेटाबोलिज्म (आईएसआईईएम)' के सचिव डॉ. प्रियांशु माथुर ने एक बयान में बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य आम जनता के साथ-साथ इस क्षेत्र के नए चिकित्सकों को इन बीमारियों की रोकथाम के लिए उपचार की नवीनतम बातों के बारे में जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन 20-22 सितंबर को यहां राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में होगा। बयान के अनुसार यह कार्यक्रम विशेषज्ञों, चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और वंशानुगत मेटाबॉलिक विकारों (आईएमडी) से प्रभावित परिवारों के लिए इस तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में ज्ञान, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा।

राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो : रंधावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जैसी बातें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कर रहे हैं, उससे पता चलता है कि ऊपर से लेकर नीचे तक भाजपा में बौखलाहट है। रंधावा ने कहा कि पार्टी राजस्थान में आगामी सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव जीतेगी।

रंधावा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। जैसी बातें भाजपा और उसके नेता कर रहे हैं. ऊपर से लेकर नीचे तक भाजपा में बौखलाहट है। रंधावा इस साल राजस्थान में सात विधानसभा सीटों पर आगामी उपचुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेने आए थे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ पार्टी बृहस्पतिवार को जयपुर के शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन करेगी। डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार पिछले नौ महीने से हर मुद्दे पर विफल रही है। भाजपा केवल भ्रमण, भाषण और लोगों को भ्रमित करने का काम कर रही है।

तेंदुए के हमले में 16 साल की एक नाबालिग की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में 16 साल की एक नाबालिग को तेंदुए ने हमला कर मार दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार लड़की का शव जंगल में मिला है। पुलिस ने बताया कि गोगुंदा थाना क्षेत्र के उंडीथल गांव में कमला (16) बुधवार दोपहर जंगल में बकरियां चराने गई थी और जब वह शाम तक घर नहीं लौटी तो परिवार के सदस्य जंगल में उसे तलाशने लगे। थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने कहा, आज सुबह गांव वालों ने परिवार के सदस्यों के साथ जंगल में तलाश की तो लड़की का शव मिला। उसके चेहरे, पीठ और सीने पर तेंदुए ने हमला किया था। उन्होंने कहा कि मामले की जांच करने और तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग की एक टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

कोल्ड स्टोरेज लगाने के लिए मिलेगा 1 करोड़ 40 लाख रूपये तक का अनुदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा कृषक उद्यमी या कृषक समूह को कोल्डस्टोरेज बनाने पर अधिकतम 1 करोड़ 40 रुपये तक का अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि आवेदनकर्ता 4अक्टूबर तक सम्बन्धित जिले के उद्यानिकी विभाग कार्यालय में आवेदन कर अनुदान का लाभ ले सकते हैं।

गालरिया ने गुरूवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में राजस्थान हॉर्टिकल्चर डवलपमेन्ट सोसायटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बतायाकि कोल्ड स्टोरेज पर राष्ट्रीय हॉर्टिकल्चर मिशन योजनान्तर्गत 250 मेट्रिक टन से लेकर अधिकतम 5 हजार मेट्रिक टन का कोल्ड स्टोरेज बनाने पर अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। कोल्ड स्टोरेज बनाने पर इकाई लागत का 8 हजार रूपये प्रति मेट्रिक टन से गणना कर अधिकतम 5 हजार मेट्रिक टन पर इकाई लागत का 35 प्रतिशत या अधिकतम 1 करोड़ 40 लाख रूपये का अनुदान दिया जाता है। बैठक में कोल्ड स्टोरेज व हाईटेक नर्सरी स्थापना के परियोजना प्रस्तावों का पीपीटी केमाध्यम से प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अपनाएं सुरक्षा उपाय : नागर

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत सुरक्षा कार्यों को गति देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि बिजली के ट्रांसफॉर्मर खुले न छोड़े जाएं और फेंसिंग (सुरक्षा दीवार) आदि उपाय अपनाएं। इससे विद्युत दुर्घटनाओं तथा उनसे होने वाली जनहानि को कम किया जा सकेगा। नागर गुरूवार को सीकर रोड खेतान हॉस्पीटल के पास जयपुर सिटी नॉर्थ सर्किल क्षेत्र में वितरण ट्रांसफॉर्मरों, रिंगमैन यूनिट एवं डिस्ट्रिब्यूशन पिलर्स पर फेंसिंग एवं ग्रेवलिंग के काम का अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वृत्त के 21 वितरण ट्रांसफॉर्मरों पर विद्युत सुरक्षा के दृष्टिगत एफआरपी मेटेरियल की कुचालक जाली द्वारा फेंसिंग कर इसे एक मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने परीक्षण कर अधिकारियों को इसे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने जयपुर सिटी सर्किल नॉर्थ के मुरलीपुरा सब डिवीजन कार्यालय का निरीक्षण किया और यहां पौधारोपण भी किया।

जयपुर सिटी नॉर्थ सर्किल के अधीक्षण अभियंता अशोक रावत ने बताया कि सीकर रोड चौमूं पुलिया से रोड़ नम्बर 14 तक डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर व अन्य विद्युत उपकरणों की लोहे की जाली के स्थान पर यह फैंसिंग की गई है। साथ ही, जल भराव की संभावना वाले सभी स्थानों पर आरएमयू, पिलर बॉक्स तथा 176 डिस्ट्रिब्यूशन बॉक्स की फाउंडेशन को जमीन के स्तर पर पक्की ईंटों द्वारा उठाया गया है।

पाइप लाइन से घरेलू गैस कनेक्शन के लिए प्रोत्साहन योजना लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस आरएसजीएल ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए स्थापना दिवस अवसर पर 20 सितंबर से 4 अक्टूबर तक पाइप लाईन से घरेलू गैस (डीपीएनजी) के नए कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की है। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि इस अवधि के दौरान कोटा शहर में डीपीएनजी कनेक्शन लेने वाले पहले एक हजार उपभोक्ताओं को लगभग एक माह के उपभोग की गैस निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

एमडी रणवीर सिंह ने गुरुवार को नए डीपीएनजी गैस कनेक्शन लेने वालों के लिए निःशुल्क पीएनजी गैस कनेक्शन अवसर पोस्टर जारी किया। कोटा शहर में सीएनजी एवं पीएनजी उपलब्ध कराने का कार्य आरएसजीएल द्वारा किया जा रहा है। पाइप लाईन से घरेलू गैस ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के साथ ही किफायती, सुरक्षित, पर्यावरण अनुकूल और बार बार सिलेण्डर बुक कराने और बदलने की आवश्यकता भी नहीं होगी। डीजीएम विवेक रंजन व विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि कोटा शहर में आरएसजीएल द्वारा सीएनजी पीएनजी सुविधा के लिए आधारभूत ढांचा विकसित करने के साथ ही घरेलू, व्यावसायिक व औद्योगिक कनेक्शनों के साथ ही सीएनजी सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

सीएफओ दीप्तांशु पारीक, डीएम आईटी गगनदीप राजोरिया ने बताया कि प्रोत्साहन योजना के अनुसार डीपीएनजी कनेक्शन लेने वालों को प्रत्येक बिलिंग चक्र में 3-3 स्टेण्डर्ड क्यूबिक मीटर एससीएम गैस 3 बिलिंग चक्र अवधि के लिए निःशुल्क उपलब्ध होगी। डीजीएम कोटा आनंद आर्य व सीपी चौधरी ने बताया कि नए डीपीएनजी कनेक्शन के लिए आरएसजीएल के कोटा कार्यालय एस-5, द्वितीय मंजिल, राजीव गांधी नगर, स्काई लाईन शापिंग बिल्डिंग पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर सीएस रवि अग्रवाल, प्रेस सलाहकार राजेन्द्र शर्मा, लोकेश शर्मा व अविनाश सिंह और प्रशांत किन्जालका ने हिस्सा लिया।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने धर्मपत्नी श्रीमती अरुणा नागर के साथ गुरुवार को सालासर बालाजी मंदिर में पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश में सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

योगी ने किया 'फ्लोटिंग रेस्टोरेंट' का उद्घाटन, कहा: यहां लोगों को नहीं मिलेंगी 'थूक लगी रोटियां'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को यहां रामगढ़ ताल में एक 'फ्लोटिंग रेस्टोरेंट' का उद्घाटन किया तथा अराजक तत्वों द्वारा रोटियों पर कथित रूप से थूकने और फलों के जूस में पेशाब मिलाने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इस भोजनालाय में लोगों को 'थूक लगी रोटियां' नहीं मिलेंगी। आदित्यनाथ ने कहा, ''यह अच्छी बात है कि लोगों को कम से कम हापुड़ वाला जूस या थूक लगी रोटियां नहीं परोसी जाएंगी। यहां जो भी परोसा जाएगा, वह शुद्ध होगा।''

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने यह टिप्पणी पिछले सप्ताह गाजियाबाद जिले के लोनी इलाके में फलों के रस में पेशाब मिलाकर बेचने के आरोप में दुकान के मालिक की गिरफ्तारी और उसके 15 साल के बेटे को हिरासत में लिए जाने के बाद की है।

इसी तरह गत 12 सितंबर को सहारनपुर जिले में एक रेस्त्रां में एक किशोर द्वारा रोटी बनाते समय उस पर कथित रूप से थूकने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद रेस्त्रां के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया था।

इससे पहले जून में नोएडा में पुलिस ने दो लोगों को जूस में थूक मिलाकर बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसी साल श्रावण मास में राज्य सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर खाद्य स्टॉल, फल विक्रेताओं के लिए दुकान मालिकों के नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया था। उसके इस आदेश की खासी आलोचना हुई थी। सरकार ने तर्क दिया था कि उसके इन निर्देशों का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना था।

गोरखपुर में रामगढ़ ताल पर निर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस 'फ्लोट' नाम के इस 'फ्लोटिंग रेस्टोरेंट' का निर्माण 17 अगस्त, 2022 को शुरू हुआ।

अधिकारियों के मुताबिक 9,600 वर्ग फुट के इस तीन मंजिला रेस्टोरेंट में एक बार में 150 लोग भोजन कर सकते हैं।

स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा: राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को लोगों से स्वच्छता की दिशा में आगे आने की अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता से ही भारत स्वस्थ और विकसित बनेगा। उन्होंने याद किया कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत अपने गृहनगर में स्वच्छता से की थी।

यहां सफाई मित्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुर्मू ने स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार सातवीं बार शीर्ष पर रहने के लिए मध्यप्रदेश के इंदौर शहर और देश में सबसे स्वच्छ राज्य की राजधानी होने के लिए भोपाल की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''सफाई मित्रों (सफाई कर्मचारियों) को सम्मानित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। स्वच्छता से ही देश स्वस्थ और विकसित बनेगा। सफाई मित्रों को सम्मानित करके हम खुद को सम्मानित कर रहे हैं।'' मुर्मू ने लोगों से देश को 'स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित' बनाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश के गांवों और गलियों में रहने वाले लोग स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम करने के लिए आगे आएंगे और ऐसा करने से ही देश महात्मा गांधी के स्वच्छता के आदर्शों को लागू कर पाएगा।

उन्होंने कहा,''हम सभी जानते हैं कि स्वच्छता की ओर एक कदम देश को साफ रखने में मदद करेगा। हम सभी को देश को स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित बनाने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।'' राष्ट्रपति ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) पिछले 10 वर्षों में एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन गया है और इसके परिणामस्वरूप देश में व्यापक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के कारण लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इस संबंध में उनके व्यवहार में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, '' इससे मुझे बहुत खुशी होती है।''

1947 से अब तक उच्चतम न्यायालय के लगभग 37 हजार फैसलों का हिंदी में अनुवाद: न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि आजादी के बाद से उच्चतम न्यायालय के लगभग 37 हजार फैसलों का हिंदी में अनुवाद किया गया है और अब उनका अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने की प्रक्रिया जारी है। प्रधान न्यायाधीश ने यह बात एक मामले की सुनवाई के दौरान कही। उनके साथ पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी थे।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि हिंदी के बाद ''अब तमिल सबसे आगे है।'' उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत अपने फैसलों का संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने की प्रक्रिया में है। संविधान की आठवीं अनुसूची में हिंदी, असमिया, बंगाली, बोडो और डोगरी सहित 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है। प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों से सुनवाई के दौरान 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट' (ई-एससीआर) से निर्णयों के ''तटस्थ उद्धरण'' देने का भी आग्रह किया। शीर्ष अदालत ने 2023 में वकीलों, कानून के छात्रों और आम जनता को अपने निर्णयों तक नि:शुल्क पहुंच प्रदान करने के लिए ई-एससीआर परियोजना शुरू की थी। वकील ई-एससीआर का उपयोग करते हुए सुनवाई के दौरान अपनी दलीलों के समर्थन में पिछले निर्णयों का हवाला देते हैं।

तिरुपति लड्डू में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए : विहिप

नई दिल्ली/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने प्रसिद्ध तिरुपति लड्डु बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के आरोप को गंभीर मुद्दा करार देते हुए बृहस्पतिवार को इस मामले में लिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विवाद तब शुरू हुआ जब नायडू ने दावा किया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पवित्र मिठाई तिरुपति लड्डु बनाने में घटिया सामग्री और पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया था। जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसी पार्टी ने हालांकि आरोपों से इनकार किया है। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने एक बयान में कहा, आंध्र प्रदेश की पिछली वाईएसआर सरकार के हिंदू विरोधी कृत्यों के बारे में सभी जानते हैं, लेकिन किसी ने यह उम्मीद नहीं की थी कि यह इस स्तर तक गिर जाएगी। उन्होंने कहा, यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है, जिसे किसी और ने नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने उठाया है। तिरुपति लड्डु प्रसादम में पशु चर्बी का इस्तेमाल करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने दोषियों के खिलाफ त्वरित कड़ी कार्रवाई की मांग की। बंसल ने कहा, तिरुपति लड्डु प्रसादम में पशु चर्बी का इस्तेमाल करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ओछी राजनीति से ऊपर उठें, भाजपा नेताओं की हरकतों की निंदा करें: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''ओछी राजनीति से ऊपर उठकर'' अपने दल के उन नेताओ की हरकतों की निंदा करनी चाहिए जिन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ घृणित बयान दिए हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे गए पत्र के जवाब में भाजपा के प्रमुख जेपी नड्डा को पत्र लिखकर यह दावा भी किया कि पूरा विश्व देख रहा है कि भाजपा किस तरह से राहुल गांधी की जान को खतरे में डाल रही है। नड्डा ने पिछले दिनों खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी राजनीति का 'असफल उत्पाद' (फेल्ड प्रोडक्ट) हैं और उन्हें महिमामंडित करना खरगे की मजबूरी है। खरगे ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में मांग की थी कि प्रधानमंत्री को राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक और विवादित बयान देने वाले नेताओं पर कार्रवाई करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'देश का सबसे बड़ा दुश्मन और आतंकवादी' करार दिया था। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ नेताओं ने भी राहुल गांधी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। नड्डा के पत्र के कुछ घंटों के भीतर ही रमेश ने उन्हें जवाबी पत्र लिखा जिसमें उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बात से न सिर्फ आश्चर्यचकित है बल्कि चिंतित भी है कि खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को लिखा गया पत्र आपके पास प्रतिक्रिया के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता की जान को खतरे जैसे गंभीर मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी बहुत परेशान करने वाली है।'' रमेश ने पत्र में लिखा, ''मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र पर आपकी प्रतिक्रिया बचकानी और सतही है। यह राहुल गांधी के जीवन पर मंडरा रहे गंभीर खतरों से ध्यान भटकाने की शर्मनाक कोशिश है।'' उनका कहना है, ''जिस पार्टी के नेताओं ने इस देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है उस कांग्रेस पार्टी को राष्ट्रवाद का प्रमाणपत्र देने से पहले, आपको अपनी पार्टी और उसकी विचारधारा पर गौर करना चाहिए। यह कभी मत भूलिए कि महात्मा गांधी की दुखद हत्या से बहुत पहले, आपके वैचारिक पूर्वजों ने बापू के खिलाफ हिंसा और नफरत का माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।''

ईडी ने कोलकाता में नया पूर्वी क्षेत्र प्रमुख नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपने पश्चिमी क्षेत्र विशेष निदेशक को कोलकाता स्थित पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय का प्रमुख नियुक्त किया है। ईडी का पूर्वी क्षेत्र आरजी कर अस्पताल धन शोधन मामले और नेताओं की संलिप्तता वाले कथित भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य मामलों सहित कई संवेदनशील और प्रमुख मामलों की जांच कर रहा है।

सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर कैडर के 2004 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी सत्यव्रत कुमार को कोलकाता में ईडी के पूर्वी क्षेत्र कार्यालय का प्रमुख नियुक्त किया गया है। कुमार अब तक संघीय एजेंसी के विशेष निदेशक के रूप में कार्यरत थे और मुंबई में इसके पश्चिमी क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे थे। मंगलवार को यहां ईडी मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पश्चिमी महानगर में कुमार की जगह पूर्वी क्षेत्र के विशेष निदेशक सुभाष अग्रवाल लेंगे।

आरजी कर गतिरोध: चिकित्सकों ने बैठक के मुख्य बिंदुओं का मसौदा सरकार को दिया, जवाब का इंतजार

कोलकाता/भाषा। सरकारी आर.जी.कर चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में पिछले महीने एक महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के बाद से प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों ने पश्चिम बंगाल सरकार के साथ हुई बातचीत के अहम बिंदुओं का मसौदा मुख्य सचिव मनोज पंत को भेज दिया है और अब उन्हें उनके जवाब का इंतजार है। चिकित्सकों ने बताया कि ई-मेल में उन बिंदुओं का विवरण दिया गया है जिन पर दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई और सहमति बनी। साथ ही उन बिंदुओं को भी भेजा गया है जिनपर सहमति नहीं बनी और उनके आधार पर सरकार द्वारा निर्देश जारी किए जाने की उम्मीद है। कनिष्ठ चिकित्सकों और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच बुधवार की रात हुई बैठक बेनतीजा रही। आर जी कर अस्पताल में नौ अगस्त को महिला चिकित्सक की हत्या के बाद विभिन्न मांगों को लेकर कनिष्ठ चिकित्सक 40 दिनों से काम रोके हुए हैं। चिकित्सकों का आरोप है कि राज्य सरकार ने बैठक का लिखित विवरण देने से इनकार कर दिया। बैठक के बाद चिकित्सकों ने घोषणा की कि वे अपना आंदोलन और 'काम रोको' अभियान तब तक जारी रखेंगे जब तक सरकार बैठक में हुई सहमति के अनुसार सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की सुरक्षा के संबंध में लिखित निर्देश जारी नहीं कर देती।

कोलकाता : आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रधानाचार्य घोष का चिकित्सा पंजीकरण रद्द

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल चिकित्सा परिषद (डब्ल्यूबीएमसी) ने आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रधानाचार्य संदीप घोष का पंजीकरण बृहस्पतिवार को रद्द कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। घोष, आरजीकर अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में इस समय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में हैं। डब्ल्यूबीएमसी द्वारा तैयार की जाने वाली पंजीकृत चिकित्सकों की सूची से घोष का नाम हटा दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि घोष का लाइसेंस बंगाल चिकित्सा अधिनियम 1914 के विभिन्न प्रावधानों के तहत रद्द किया गया। उन्होंने बताया कि घोष ऑर्थोपेडिक सर्जन हैं और बिना लाइसेंस वह इलाज नहीं कर सकेंगे।

अखिलेश यादव ने मानव और पशुओं के बीच संघर्ष को नियंत्रित करने में विफल रहने पर सरकार को कोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में मानव-पशु संघर्ष को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए भाजपा सरकार पर हमला करते हुए यह कार्य विशेष कार्य बल (एसटीएफ) को सौंप देने का सुझाव दिया।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा,'' हम देख रहे हैं कि सड़कों पर दुर्घटनाएं हो रही हैं और आवारा पशुओं के कारण लोग जान गंवा रहे हैं। हमने देखा है कि जंगल से सटे इलाकों में लोग तेंदुए और बाघों द्वारा मारे जा रहे हैं। बहराइच में लोग सियार/भेड़ियों के हमलों से आतंकित हैं। सरकार अब भी गंभीर नहीं है।'' हाल में एक मुठभेड़ के बाद चर्चा में आए पुलिस के एसटीएफ पर कटाक्ष करते हुए यादव ने कहा, ''आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए एक एसटीएफ बनाया जाना चाहिए। या फिर (इस) एसटीएफ को सियार की समस्या के समाधान का काम दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि जानवरों को मारने के बजाय उनके जंगलों की अवैध कटाई रोकी जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, तब से बड़े पैमाने पर जंगल काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए बुलडोजर की मानसिकता से ऊपर उठना होगा। आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया था। उस नोडल अधिकारी के खिलाफ क्या कार्रवाई की जा रही है? आवारा पशुओं की समस्या के प्रबंधन के लिए दिए गए भारी भरकम फंड का क्या हुआ।

रामपुर में रेलवे ट्रैक पर मिला टेलीफोन तार लगाने वाला खंभा, हादसा होते-होते बचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के रामपुर में बलवंत एन्क्लेव कॉलोनी के पास अराजक तत्वों ने रेल की पटरी पर टेलीफोन तार लगाने में इस्तेमाल होने वाला एक पुराना खंभा रख दिया। ट्रेन चालक के आपातकालीन ब्रेक लगाने से हादसा टल गया। रेलवे सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि यह घटना रामपुर से लगभग 43 किलोमीटर दूर बिलासपुर-रुद्रपुर सिटी स्टेशन लाइन पर हुई।

उनके अनुसार ट्रेन संख्या 12091 देहरादून एक्सप्रेस के 'लोको पायलट (चालक)' ने पटरी पर एक खंभा पड़ा देखा और मुस्तैदी दिखाते हुए आपातकालीन ब्रेक लगा दी।

फलस्वरूप ट्रेन रूक गयी। इसके बाद चालक ने रेल अधिकारियों को घटना के बारे में सूचित किया।

रूद्रपुर सिटी सेक्शन के रेलवे इंजीनियर राजेंद्र कुमार की शिकायत पर रामपुर के राजकीय रेलवे पुलिस थाने में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

भाजपा की 'परिवर्तन यात्राओं' पर झारखंड के मुख्यमंत्री का तंज, कहा- गिद्ध की तरह मंडराते दिखेंगे नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गढ़वा (झारखंड)/भाषा। झारखंड में शुक्रवार से राज्यभर में आयोजित की जाने वालीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'परिवर्तन यात्राओं' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अन्य प्रदेशों के नेता ''गिद्ध की तरह मंडराते, सांप्रदायिक तनाव फैलाते'' नजर आएंगे।

गढ़वा जिले में कार्यक्रम 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' को संबोधित करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता ने कहा कि गुजरात, उप्र, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मप्र जैसे राज्यों के नेता प्रदेश के हर गांव में नजर आएंगे और वे जाति-धर्म के नाम पर सांप्रदायिक तनाव फैलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''सतर्क रहें क्योंकि गिद्धों का झुंड झारखंड आ रहा है। वे पूरे राज्य में मंडराएंगे। आप देखेंगे कि गुजरात, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के नेता गांव-गांव और पंचायत-दर-पंचायत जा रहे हैं, जाति और धर्म के नाम पर सांप्रदायिक तनाव फैला रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव अमीर और गरीब के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा, ''एक तरफ पूंजीपतियों का समूह है और दूसरी तरफ आदिवासी, गरीब, दलित और पिछड़े लोग हैं।'' विपक्षी भाजपा झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की कथित 'विफलताओं' को उजागर करने और विधानसभा चुनावों में इसे सत्ता से 'उखाड़' फेंकने के लक्ष्य के साथ शुक्रवार से झारखंड के विभिन्न संभागों में छह 'परिवर्तन यात्राएं' शुरू करेगी।

ओडिशा: दो गुटों के बीच झड़प में चार लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रक (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के भद्रक जिले में बृहस्पतिवार को दो गुटों के बीच हुई झड़प में कम से कम चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद प्रशासन ने हिंसा प्रभावित इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी। उन्होंने बताया कि धुसुरी थाना क्षेत्र के गोदीपोखरी गांव में कल रात एक समुदाय का धार्मिक झंडा फाड़ दिए जाने के बाद सुबह विवाद शुरू हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भद्रक जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत गोदीपोखरी और गांव के एक किलोमीटर के दायरे में बृहस्पतिवार अपराह्न दो बजे से शनिवार पूर्वाह्न 10 बजे तक निषेधाज्ञा लागू कर दी। उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि शांति एवं सौहार्द्र बनाए रखने के लिए क्षेत्र में सशस्त्र पुलिस कर्मियों की करीब 10 प्लाटून तैनात की गई है।

अश्विन व जडेजा ने भारत को बांग्लादेश के खिलाफ मैच में लौटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। शतकवीर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा ने बांग्लादेश से मिले शुरूआती झटकों से निकालते हुए पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को भारतीय टीम को छह विकेट पर 339 रन तक पहुंचा दिया ।

दोनों ने सातवें विकेट की अटूट साझेदारी में 195 रन बना लिए हैं । इससे पहले भारतीय शीर्षक्रम बुरी तरह नाकाम रहा और पहले दो सत्र में बांग्लादेशी गेंदबाजों ने दबाव बनाते हुए छह विकेट 144 रन पर चटका दिये थे । इसके बाद चेन्नई में जन्मे अश्विन और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले जडेजा ने अपने घरेलू मैदान एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर अद्भुत धैर्य और आपसी तालमेल का प्रदर्शन करते हुए बेजोड़ पारियां खेली ।

अपना छठा टेस्ट शतक जड़ने वाले अश्विन ने 91 से ऊपर की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हुए 112 गेंद में 102 रन जोड़े जिसमें 10 चौके और दो छक्के शामिल थे । वहीं जडेजा ने 117 गेंद में 86 रन बना लिए हैं । उन्होंने भी अपनी पारी में 10 चौके और दो छक्के लगाये । इससे पहले इस साल मार्च में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले हसन महमूद ने भारतीय शीर्षक्रम को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया । 24 वर्ष के महमूद ने पांच ओवर में सिर्फ छह रन देकर पहले स्पैल में तीन विकेट चटकाये। उन्होंने 18 ओवर में 58 रन देकर चार विकेट लिए ।

यशस्वी जायसवाल के अलावा भारत का कोई बल्लेबाज सुबह के सत्र में बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण का सामना नहीं कर सका । जायसवाल ने 118 गेंद में नौ चौकों की मदद से 56 रन बनाये ।

भारतीय बल्लेबाजों ने काफी निराश किया क्योंकि पिच या गेंदबाजों से ऐसी चुनौती नहीं मिल रही थी कि जिसका सामना नहीं किया जा सके । मेजबान बल्लेबाज अपनी ही एकाग्रता भंग होने के कारण विकेट गंवाते गए । जायसवाल और ऋषभ पंत (39) ने चौथे विकेट के लिए 99 गेंद में 62 रन जोड़े । पहले सत्र में प्रभावी दिख रहे पंत ने महमूद की गेंद पर विकेटकीपर लिटन दास को कैच थमाया । 2022 के कार हादसे के बाद यह उनका पहला टेस्ट था जिसमें वह 83 मिनट तक क्रीज पर रहे । जायसवाल ने 95 गेंद में अपना अर्धशतक मेहदी हसन मिराज की गेंद पर एक रन लेकर पूरा किया । उन्होंने हालांकि इसके बाद अपनी एकाग्रता खोई और नाहिद राणा की गेंद पर पहली स्लिप में शादमैन इस्लाम को कैच दे बैठे । केएल राहुल 16 रन बनाकर आफ स्पिनर मिराज का शिकार हुए । भारत के छह विकेट 144 रन पर गिर चुके थे । दूसरा सत्र भी पहले ही सत्र की तरह रहा जिसमें बांग्लादेशी गेंदबाज हावी रहे । बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और पूरा फोकस एक्सप्रेस गेंदबाज नाहिद राणा पर था लेकिन भारतीय पारी को झटके महमूद ने दिये ।

रोहित शर्मा (छह) को एक के स्कोर पर डीआरएस से जीवनदान मिला था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके ।वह दूसरी स्लिप में नजमुल हसन शंटो को कैच देकर लौटे । शुभमन गिल (0) खाता भी नहीं खोल सके और आठ गेंद खेलने के बाद विकेटकीपर लिटन दास को कैच दे बैठे । विराट कोहली (छह) का मैदान में उतरने पर तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत हुआ लेकिन वह भी टिक नहीं सके ।

गंभीर के पास काफी अनुभव, सफल कोच साबित होंगे: द्रविड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने गुरुवार को यहां उम्मीद जतायी कि राष्ट्रीय टीम में उनकी जगह लेने वाले गौतम गंभीर अपनी भूमिका में काफी सफल साबित होंगे। द्रविड़ ने 'डिजिटल क्लासरूम' से जुड़ी 'रूमबर' के लॉन्च के मौके पर गंभीर के बारे में पूछे जाने चुनिंदा पत्रकारों से कहा, ''उनके पास काफी अनुभव है। एक खिलाड़ी के तौर पर भी उन्होंने काफी खेला है। उन्होंने जाहिर तौर पर काफी कोचिंग की है। मुझे यकीन है कि वह इस भूमिका में शानदार साबित होंगे।'' द्रविड़ की अगुवाई में भारतीय टीम ने खेल के तीनों प्रारूप में अच्छी सफलता हासिल की। टीम ने 24 टेस्ट में 14 में जीत दर्ज की जबकि टीम ने इस दौरान 53 में से 36 एकदिवसीय और 70 में से 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत दर्ज की। पिछले साल टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा लेकिन इस साल अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप में जीत के साथ उन्होंने अपने कार्यकाल को सफलता के साथ खत्म किया।

सुविचार

आप कितने भी अच्छे इंसान क्यों न हो, आप हमेशा किसी की कहानी में बुरे जरूर होते है!आप कितने भी अच्छे इंसान क्यों न हो, आप हमेशा किसी की कहानी में बुरे जरूर होते है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुधारों की ओर बड़ा कदम

केंद्र सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' संबंधी सिफारिश मंजूर कर चुनाव सुधारों की ओर बड़ा कदम उठा दिया है। यह कदम जल्दबाजी में नहीं उठाया गया है। इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने काफी अध्ययन किया, विभिन्न बिंदुओं पर विचार किया, उसके बाद सिफारिशें कीं। हालांकि आगे राह आसान नहीं है, सुधारों की राह आसान होती भी नहीं है। आम राय बनाने, सुधार लागू करने और प्राप्त परिणामों के आधार पर भविष्य में कुछ और सुधारों का रास्ता तैयार करने में समय लगता है। देश ने चुनावी राजनीति के कई अनुभव हासिल करते हुए पहले भी सुधार किए थे। उनसे निश्चित रूप से लोकतंत्र मजबूत हुआ है। आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है। मतपत्र और पेटी की जगह ईवीएम को रखना अपनेआप में बहुत बड़ा चुनाव सुधार था। इससे मतदान और मतगणना का काम बहुत आसान हो गया है। ध्यान रखें, ईवीएम का बहुत विरोध हुआ था। आज भी कुछ राजनीतिक दल इस पर सवाल उठाते हैं। नए मतदाताओं ने वह दौर नहीं देखा, जब मतदान केंद्रों के बाहर लोगों को अपनी बारी के लिए काफी समय तक इंतजार करना पड़ता था। मतपत्र लेना, उस पर मुहर लगाना, उसे मोड़ना और पेटी में डालना ... यह बहुत लंबी प्रक्रिया होती थी। कई मतदाता असावधानीवश ऐसी जगह मुहर लगा देते थे, जिससे उनका वोट खारिज हो जाता था। मतगणना के दिन ऐसे मतपत्र झगड़े की वजह बनते थे। 'एक देश, एक चुनाव' से होने वाले सुधारों के फल भविष्य में देखने को मिलेंगे। विशेषज्ञ तो कह रहे हैं कि एकसाथ चुनाव कराने से चुनावी खर्च में कम से कम 30 प्रतिशत कमी आ सकती है। हालांकि यह सुधार सिर्फ पैसा बचाने के लिए नहीं है। अभी जो स्थिति है, उसमें हर साल चुनाव ही चलते दिखाई देते हैं। हर चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ वहां आचार संहिता लग जाती है। उसके बाद कुछ अवधि के लिए विकास कार्य रुक जाते हैं। जनता दफ्तरों के चक्कर लगाती रहती है। नए जनप्रतिनिधि चुनकर आते हैं, वे शपथ लेते हैं, कामकाज संभालते हैं, तब तक जनता के कई काम अटके ही रहते हैं।

भारत को त्योहारों का देश कहा जाता है। इसके साथ, यह चुनावों का देश भी समझा जाता है। यहां हर साल कहीं न कहीं विधानसभा चुनाव होते हैं। स्थानीय शासन के चुनाव होते हैं। इनके अलावा लोकसभा चुनाव हैं, जिन पर दुनियाभर की निगाहें होती हैं। हर साल चुनाव प्रक्रिया ही चलती रहेगी तो विकास कार्य कब होंगे? जब चुनावों पर देश की इतनी ऊर्जा खर्च हो रही है तो क्यों न इसे इस प्रकार खर्च किया जाए, ताकि चुनाव भी संपन्न हों और विकास कार्य भी तेजी से हों। 'एक देश, एक चुनाव' प्रणाली इसका मार्ग प्रशस्त कर सकती है। अभी इसके विरोध में एक तर्क खूब दिया जा रहा है कि 'अगर इसे लागू किया गया तो चुनाव नतीजों पर काफी असर पड़ सकता है, चूंकि मतदाता कुछ 'भ्रमित' हो सकता है ... लोकसभा चुनावों में उसकी मांगें कुछ और होती हैं, विधानसभा चुनावों में कुछ और होती हैं!' वास्तव में यह तर्क आधी-अधूरी तस्वीर पेश करता है। बेशक उक्त दोनों चुनावों में मतदाता की कई मांगें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन उसे इस बात का पर्याप्त बोध है कि किस चुनाव में किस उम्मीदवार के नाम का बटन दबाना है। यह वो ज़माना नहीं है, जब गांव में दो-चार लोग पढ़े-लिखे होते थे। वे बताते थे कि चुनाव क्या होता है, उम्मीदवार किसे कहते हैं और पर्चे पर कहां ठप्पा लगाना है! आज का मतदाता जागरूक है, शिक्षित है, वह मुद्दों पर सवाल करता है। अगर वह किसी भी उम्मीदवार को अपनी कसौटी पर खरा उतरता नहीं पाता है तो नोटा का बटन दबा देता है। ऐसे में भ्रमित होने का तो सवाल ही नहीं उठता। मतदाता जानता है कि किसे विधानसभा में भेजना है और किसे लोकसभा में भेजना है। ऐसा कई बार हुआ, जब जनता ने विधानसभा चुनावों में एक पार्टी को धूमधाम से सत्ता सौंपी, लेकिन लोकसभा चुनावों में उसका सूपड़ा साफ कर दिया। हां, ऐसा भी कई बार हुआ, जब दोनों चुनावों में एक ही पार्टी को जनादेश मिला। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि मतदाता को भलीभांति मालूम है कि उसे कब, किसे वोट देना है। अब लोकतंत्र को और ज्यादा मजबूत करने के संकल्प के साथ 'एक देश, एक चुनाव' की ओर आगे बढ़ा जाए। अगला सुधार मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए किया जाए।

ट्वीटर टॉक

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, पद्म विभूषित सुनीता विलियम्स को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! अंतरिक्ष में आपकी उड़ान और विज्ञान के क्षेत्र में आपका योगदान हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। प्रभु श्रीराम जी से आपके उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य की मंगल कामना करती हूँ।

-दीया कुमारी

एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत माँगने हों, या भारतीय सेना के बारे में आपत्तिजनक बातें करना हो, राहुल गाँधी की कांग्रेस पार्टी और पाकिस्तान के सुर हमेशा एक रहे हैं और कांग्रेस का हाथ हमेशा देशविरोधी शक्तियों के साथ रहा है।

-अमित शाह

कांग्रेस के नेताओं ने होटल में मौज मारी, जबकि हमारे भाजपा के मंत्री पूरे राज्य में सक्रिय हैं। वे हर गांव और ढाणी में जाकर जनता की समस्याएं सुनते हैं और समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। यही हमारी सच्ची सेवा का संदेश है, जनता के बीच रहना और उनके हित में काम करना।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर के प्रति कृतज्ञता

प्रख्यात संत वल्लभाचार्य अपने शिष्य के संग पैदल जा रहे थे। अचानक पैर के तलवे पर कांटा चुभ गया। फिर खून निकलने लगा। तलवा साफ करते हुए संत वल्लभाचार्य के नयनों से कृतज्ञता का भाव उमड़ उठा। वह बोले, 'परमात्मा, आपका बहुत-बहुत आभार।' यह सुनकर शिष्य चकित हुआ। उसने कहा, 'आपके तलवे पर यह नुकीला कांटा गड़ गया है। रक्त बह रहा है। आप हैं कि इस बात पर कृतज्ञ हो रहे हैं?' उस शिष्य के जवाब में संत ने बहुत ही मार्मिक बात कही। 'ईश्वर की यह बहुत मेहरबानी है। कृपा है कि तलवे में कांटा लगा। कांटे की जगह कोई मोटा और घातक लोहे का शूल भी हो सकता था। परमात्मा की कृपा का कोई अंत नहीं है। ईश्वर ने तो मुझ नादान पर हमेशा दया ही दिखाई है।' यह एक बहुत बड़ी बात थी। शिष्य ने इस भाव को अपना लिया।

सामयिक

विपक्ष पर दबाव का केजरीवाली आतिशी दांव

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

अरविंद केजरीवाल राजनीति के चतुर खिलाड़ी हैं। उन्होंने राजनीति में कुछ मौलिक प्रतिस्थापनाएं की है, बने-बनाये रास्तों पर न चलकर नये रास्ते इजाद किये हैं। वे संकटों को अवसर में बदलने वाले करिश्माई व्यक्तित्व भी हैं। उनकी राजनीति अनेक विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी रही है, उनके व्यवहार एवं वचनों में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित होते रहे हैं, लेकिन ये ही विरोधाभास उनकी राजनीतिक चमक का कारण भी बने हैं। क्योंकि राजनीति में सब जायज माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय से सशर्त जमानत मिलने से खुद को बंधा महसूस करते हुए उन्होंने इस्तीफे का धारदार दांव चलाकर राजनीतिक जगत में एक हलचल पैदा कर दी। वहीं पार्टी में संभावनाओं भरे अनेक चेहरों के होने के बावजूद उन्होंने आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया, जबकि वह वरिष्ठता क्रम में निचले पायदान पर खड़ी थी, लेकिन केजरीवाल ऐसे चौंकाने वाले फैसले पहले भी लेते रहे हैं। लेकिन इस तरह वे जनादेश का मज़ाक भी बनाते रहे हैं तो संवैधानिक स्थितियों की धता भी करते रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल साहस के कदम एवं चतुराई की आंख लेकर परम्परागत राजनीति की जंजीरों को तोड़कर आगे निकलते रहे हैं। संभावनाएं की जा रही थी कि केजरीवाल आम आदमी पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मुख्यमंत्री बना सकते हैं। अधिक संभावनाएं उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाये जाने की थी। क्योंकि क्षेत्रीय दलों में किसी राजनीतिक या कानूनी संकट के चलते परिवार के ही किसी सदस्य को सत्ता की बागडोर सौंप देने परंपरा रही है। ताकि स्थितियां सामान्य होने पर फिर मुख्यमंत्री की गद्दी आसानी से वापस ली जा सके। इसके अनेक उदाहरण है, जिनमें बिहार में चारा घोटाले में घिरने के बाद लालू यादव ने पत्नी राबड़ी देवी को सत्ता की बागडोर सौंपी थी। बहरहाल, केजरीवाल ने जेल से बाहर आते ही अपने तरकश से जो तीर चले हैं, उनकी धार एवं तीक्ष्णता को महसूस किया जा सकता है। इन तीरों से हरियाणा व जम्मू कश्मीर चुनाव समेत अन्य राष्ट्रीय मुद्दों में उलझी भाजपा व कांग्रेस पर केजरीवाल ने मनोवैज्ञानिक राजनीतिक दबाव तो बना ही दिया है। हरियाणा में स्वतंत्र चुनाव लड़ने का निर्णय लेकर उन्होंने सत्ता के गठन में स्वयं को एक ताकतवर मोहरे के रूप में प्रस्तुत करने का चतुराई भरा खेल भी खेला है। दिल्ली में भी उन्होंने अपनी निस्तेज होती स्थितियों को मजबूती दी है।

दरअसल, केजरीवाल भ्रष्टाचार के विरोध में आन्दोलन के योद्धा के रूप में वर्ष 2014 के इस्तीफे के दांव की तरह 2015 में आम आदमी पार्टी को मिली भारी जीत का अध्याय दोहरा देना चाहते हैं। लेकिन इस बार की स्थितियां खुद भ्रष्टाचार में लिप्त होने से खासी चुनौतीपूर्ण व जोखिमभरी हैं। निस्संदेह, यह दांव मुश्किल भी पैदा कर सकता है क्योंकि पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली थी। भले ही केजरीवाल अपने को, समय को पहचानने वाला साबित कर रहे हो, लेकिन वे अपने देश को, अपने पैरों की जमीन को एवं राजनीतिक मूल्यों को नहीं पहचान रहे हैं। आप' की राजनीति नियति भी विसंगति का खेल खेलती रहती है। पहले जेल जाने वालों को कुर्सी मिलती थी, अब कुर्सी वाले वाले जेल जा रहे हैं। यह नियति का व्यंग्य है या सबक? आप के शीर्ष नेताओं के लिये पहले श्रद्धा से सिर झुकता था अब शर्म से सिर झुकता है। कैसे आप की राजनीति इस शर्म के साथ जनता से मुखातिब होगी और जनता क्या जबाव देगी, यह भविष्य के गर्भ में है।

जिन अप्रत्याशित हालात में एवं बहुत कम समय के लिये आतिशी को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है, वे बेहद चुनौतीपूर्ण हैं। विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के कई उदाहरण हाल के वर्षों में दिखे हैं, लेकिन यह मामला उन सबसे अलग है। पिछले करीब दो साल न केवल आम आदमी पार्टी के लिए बल्कि दिल्ली सरकार के लिए भी इस मायने में चुनौतीपूर्ण रहे कि एक-एक कर उसके कई बड़े नेता और मंत्री जेल भेज दिए गए। दिल्ली का विकास मुफ्त की संस्कृति की भेट चढ़कर विकास को अवरुद्ध किये हुए हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल के जेल जाने के बाद संकट और गहराया। इन संकटपूर्ण हालातों में आतिशी ने पार्टी का प्रभावशाली ढंग से बचाव किया। उन्होंने सौरभ भारद्वाज और अन्य साथियों के साथ मिलकर सड़क से लेकर मीडिया तक आम आदमी पार्टी की जंग लड़ी, उससे कार्यकर्ताओं में उनकी एक जुझारू छवि बनी है। ऐसे में, उनसे उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। क्या अतिशी अपने राजनीतिक कौशल से यह पद पाया है या वे केजरीवाल की राजनीति का एक मोहरा-भर बनी है? उनके हिस्से में यह पद तब आया जब पार्टी के दो सबसे बड़े नेताओं-अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया-ने कह दिया कि वे नए सिरे से जनादेश हासिल करने के बाद ही पद पर बैठेंगे। अगर पार्टी जनादेश हासिल नहीं कर पाती तब तो उन्हें पद छोड़ना ही पड़ेगा, अगर पार्टी चुनाव जीतती है तब भी मुख्यमंत्री पद से उनका हटना लगभग तय है। इन स्थितियों में कांटोंभरा ताज पहनकर उनके कामकाज एवं प्रभावी नेतृत्व का क्या औचित्य है?

अतिशी एक वफादार एवं जिम्मेदार नेता के रूप में अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रही है। पार्टी के लिये उनके समर्पण एवं अटूट निष्ठा की मुद्रा विधायक दल की नेता चुने जाने के वक्त भी सामने आयी, जब आतिशी ने सार्वजनिक रूप से यह कहा कि वह सिर्फ अगले चुनाव तक पदभार संभाल रही हैं, पार्टी के भीतर किसी नए केंद्र की आशंका को तिरोहित करना तो है ही, कहीं न कहीं यह वरिष्ठ नेताओं की आहत महत्वाकांक्षाओं पर मरहम रखना भी है। आतिशी का यह पहला कार्यकाल है, और किसी गैर-राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि की महिला का पांच साल के भीतर यूं मुख्यमंत्री की कुरसी तक पहुंचने का यह विरल उदाहरण भी है। अतिशी दिल्ली जैसे सुबे की मुखिया बनी हैं, जिस दिल्ली ने सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित जैसी दिग्गज महिला नेताओं का शासन देखा है। कुल मिलाकर, दिल्ली में शुरू हुए आप के इस नए प्रयोग और उसके नतीजों पर सबकी नजरें होंगी।

अरविंद केजरीवाल ने महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही दिल्ली विधानसभा का भी चुनाव कराने की मांग की है, उनकी यह मांग अस्वीकृत हो गयी है, फिर भी अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक दिल्ली में चुनाव कराने होंगे। केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सोची-समझी रणनीति के तहत ही दिया है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव को अपनी ईमानदारी के जनमत संग्रह के रूप में दर्शा सकें। उनका मकसद भाजपा सरकार द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के आरोपों का मुकाबला करने तथा खुद को राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार के रूप में दिखा जनता की सहानुभूति अर्जित करना भी है। लेकिन इस तरह की राजनीतिक चतुराई में अगर कोई आधार नहीं होता, कोई तथ्य नहीं होता, कोई सच्चाई नहीं होती तो दूसरों के लिए खोदे गए खड्डों में स्वयं एक दिन गिर जाने की स्थिति बन जाती है। कुछ लोग इस प्रकार से प्राप्त जीत की खुशी मनाते हैं, कुछ इस प्रकार की हार की खुशी मनाते हैं, जो कभी जीत से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि गलत तरीकों से प्राप्त जीत से सिद्धांतों पर अडिग रहकर हारना सम्मानजनक होता है। निस्संदेह, जनता से ईमानदारी का प्रमाण पत्र हासिल करने की योजना उनकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा जान पड़ती है।

केजरीवाल को अतिशी रूपी दांव से ज्यादा लाभ शराब घोटाले में नाम आने व गिरफ्तारी के बाद तुरंत इस्तीफा दे देते तो मिलता। ऐसे में, आतिशी के पास अपनी शासकीय छाप छोड़ने के साथ आप की राजनीतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने की बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली में निश्चित रूप से उसकी लड़ाई भाजपा के साथ ही कांग्रेस से भी अपनी जमीन बचाने की होगी। दिल्ली के नागरिकों की अपेक्षाओ पर खरा उतरने के साथ-साथ पार्टी की चुनावी नैया पार लगाने की चुनौती तो है ही। जाहिर है, आम आदमी पार्टी उनसे यही अपेक्षा करेगी कि आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का आलेख लिखे।

मुद्दा

'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर भ्रांति फैलाना देशहित में नहीं

अजय कुमार
मोबाइल : 9335566111

समाजवादी पार्टी का वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम लट्ठा जैसा है। ऐसा लगता है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव को वन नेशन वन इलेक्शन में खामियां निकालने के लिये कोई गंभीर मुद्दा नहीं मिल रहा है। वन नेशन,वन इलेक्शन के खिलाफ अखिलेश की बयानबाजी हवा हवाई से अधिक कुछ नहीं हैं। वह किसी भी तरह से जनता में भ्रम पैदा करना चाहते हैं। इसलिए वह बेतुके संदेह व्यक्त कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि अखिलेश इस बिल का इस लिये विरोध कर रहे हैं क्योंकि वन नेशन वन इलेक्शन मोदी सरकार की मंशा है। अखिलेश की मंशा सियासी है इसलिये उनकी पार्टी में भी इसको लेकर फूट नजर आ रही है। अखिलेश से इत्तर समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने वन नेशन वन इलेक्शन का खुलकर समर्थन किया है। यह और बात है कि पार्टी ने रविदास मेहरोत्रा के बयान को उनकी निजी राय बता कर पल्ला झाड़ लिया है। बात वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर अखिलेश के बिगड़े बोलों की कि जाये तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछ रहे हैं, अगर 'वन नेशन, वन नेशन' सिद्धांत के रूप में है तो कृपया स्पष्ट किया जाए कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक के सभी ग्राम, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे। यदि अखिलेश रिपोर्ट पढ़ लेते तो उन्हें मालूम रहता कि पहले चरण में लोकसभा व देश के सभी विधान सभाओं और दूसरे चरण में 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराने की सिफारिश की गई है। अखिलेश पूछ रहे हैं कि किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतज़ार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा?इसको लेकर भी रिपोर्ट में साफ-साफ कहा गया है कि अगर किसी विधान सभा का चुनाव अपरिहार्य कारणों से एक साथ नहीं हो पाता है तो बाद की तिथि में होगा,लेकिन कार्यकाल उसी दिन समाप्त होगा जिस दिन लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। यदि किसी राज्य की विधान सभा बीच में भंग हो हाती है,तो नया चुनाव विधानसभा के बाकी के कार्यकाल के लिये ही कराया जायेगा। अखिलेश पूछ रहे हैं वन नेशन वन इलेक्शन योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं, इसीलिए हम चुनाव कराने का काम भी (अपने लोगों को) ठेके पर दे रहे हैं। यह भी हास्यास्पद है।

ऐसा नहीं है कि कभी लोकसभा और विधान सभा के चुनाव साथ हुए ही नहीं हैं। 1951 से 1967 तक चुनाव एक साथ होते थे। उसके बाद में 1999 में लॉ कमिशन ने अपनी रिपोर्ट में ये सिफ़ारिश की थी देश में चुनाव एक साथ होने चाहिए, जिससे देश में विकास कार्य चलते रहें। वन नेशन, वन इलेक्शन कोई आज की बात नहीं है. इसकी कोशिश 1983 से ही शुरू हो गई थी और तब इंदिरा गांधी ने इसे अस्वीकार कर दिया था। ये कहा जा रहा है कि एक साथ चुनाव कराए जाने का अंततः सबसे अधिक फ़ायदा बीजेपी और कांग्रेस जैसी बड़ी राष्ट्रीय पार्टियों को होगा और छोटी पार्टियों के लिए एक साथ कई राज्यों में स्थानीय और लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान चलाना कठिन हो सकता है। बहरहाल, कांग्रेस कह चुकी है कि वो एक राष्ट्र, एक चुनाव के विचार का कड़ा विरोध करती है और इस विचार पर काम नहीं करना चाहिए। वहीं बहुजन समाज पार्टी ने हाई लेवल कमेटी के आगे पूरी तरह से वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध नहीं किया था लेकिन उसने इसको लेकर चिंता जताई। पार्टी प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पोस्ट कर कहा कि एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था के तहत देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एक साथ कराने वाले प्रस्ताव को केन्द्रीय कैबिनेट की मंज़ूरी पर हमारी पार्टी का स्टैंड सकारात्मक है, लेकिन इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना ज़रूरी है।

नजरिया

प्रधानमंत्री के स्वच्छता के संकल्पों को साकार कर रहा है मध्यप्रदेश

हर्षवर्धन पाण्डे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता भारत मिशन के संकल्प को साकार करने के दिशा में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। मध्यप्रदेश ने इस मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य भारत को साफ-सुथरा बनाना है, जिसमें प्रमुख रूप से खुले में शौच से मुक्ति और ठोस और तरल कचरे का उचित प्रबंधन शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस मिशन के तहत मध्यप्रदेश ने अपने स्वच्छता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ठोस नीतियां और योजनाएं बनाई हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान शुरू हुआ है जो इस वर्ष गांधी जयंती तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। यह अभियान स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम पर केन्द्रित है जिसमें जन-भागीदारी के अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की कोशिश रहेगी। स्वच्छता अभियान में इस वर्ष स्थानीय निकायों की भागीदारी पर भी विशेष जोर सरकार द्वारा दिया गया है। स्वच्छता को जन -जन अपने व्यवहार में आत्मसात करे , इस हेतु प्रदेश में वृहद स्तर पर विभिन्न गतिविधियाँ भी संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव का कहना है कि प्रदेश में स्वच्छता ही सेवा अभियान की इस वर्ष की थीम स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता रखी गई है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के शुभारंभ अवसर पर मंत्रीगण अपने-अपने प्रभार के जिलों में शामिल हुए हैं जिसने इस अभियान को एक नई गति देने का काम किया है। अभियान की शुरूआत में 17 सितम्बर को प्रदेश में किफायती दाम पर दवाईयाँ उपलब्ध कराने वाले जनऔषधि केन्द्रों का शुभारंभ भी किया गया। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का समापन 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती पर प्रदेश भर में होगा। इस दिन महात्मा गांधी के स्वच्छता संबंधी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के प्रयास किये जायेंगे। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों से ऑनलाइन अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सफाई कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, सफाई कर्मचारियों को स्टार रेटिंग प्रणाली के आधार पर पुरस्कृत किया जाएगा। खास बात यह है कि सफाई कर्मचारियों द्वारा अर्जित प्रत्येक स्टार के लिए उन्हें एक हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यानी एक स्टार पाने वाले कर्मचारी को एक हजार रुपए और सात स्टार पाने वाले प्रत्येक कर्मचारी को सात-सात हजार रुपए दिए जाएंगे। इंदौर की गिनती आज देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अगर हो रही है तो इसका कारण स्वच्छता का संकल्प ही रहा है जिसने कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई है। इंदौर ने देश में हुए 'स्वच्छता सर्वेक्षण' में लगातार सातवीं बार शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जिससे स्पष्ट होता है कि यहाँ के नागरिक और प्रशासन दोनों मिलकर स्वच्छता के लिए प्रतिबद्ध हैं। इंदौर को साफ बनाने में वहां के नगर निगम जनभागीदारी की बड़ी भूमिका रही है। आज इंदौर की सफाई प्रणाली पूरे देश को प्रेरणा देने का काम कर रही है। इंदौर शहर से निकले वाले कचरे से गैस बनाई जाती है जिससे शहर में सीएनजी बसों का परिचालन होता है। कचरे से गैस बनाने के लिए इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा प्लांट है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

एमपी के जन- भागीदारी मॉडल ने हाल के वर्षों में देश में विशेष पहचान बनाई है। स्वच्छता के उद्देश्यों को साकार करने में मध्यप्रदेश के नागरिकों की भागीदारी भी बड़ी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश ने स्थानीय समुदायों को स्वच्छता अभियानों में शामिल करने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। स्वच्छता संबंधी कार्यशालाएं, जागरूकता अभियानों और स्कूलों में स्वच्छता शिक्षा जैसी विशिष्ट पहल के माध्यम से, राज्य ने नागरिकों को इस मिशन में सक्रिय भागीदार बनाया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे पौध-रोपण के कार्यक्रम भी प्रदेश के हर कोने में आयोजित किए जा रहे हैं जिसका लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। स्वच्छता संबंधी चुनौतियों के समाधान हेतु राज्य सरकार ने स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और कचरा निस्तारण के लिए नई तकनीकों का भी उपयोग किया है। मध्यप्रदेश सरकार भविष्य में स्वच्छता मिशन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई योजनाएं बना रही है। सतत विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार डिजिटल तकनीक, नवाचार और जनभागीदारी के मॉडल के जरिये अपने स्वच्छता लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रभावशाली देशों के समूह ने जी-20 देशों से जलवायु कोष बढ़ाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रभावशाली देशों के एक समूह ने जी-20 देशों से जलवायु कार्रवाई के लिए वित्तपोषण के समग्र कोष को बढ़ाने तथा जीवाश्म ईंधन में निवेश से तत्काल हाथ खींच लेने का आग्रह किया है। जी-20 समूह को लिखे पत्र में, उच्च महत्वाकांक्षा गठबंधन (एचएसी) ने कहा कि सभी देशों को जलवायु संकट से निपटने के वास्ते यथासंभव अधिक से अधिक धन जुटाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि वे अजरबैजान के बाकू में आयोजित सीओपी-29 में जलवायु कोष पर एक नया सामूहिक परिमाणित लक्ष्य (एनसीक्यूजी) निर्धारित करने के उद्देश्य से एकत्रित हो रहे हैं।

एनसीक्यूजी वह नई धनराशि है जिसे विकसित देशों को विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई का समर्थन करने के लिए 2025 से प्रतिवर्ष जुटाना होगा।

जर्मनी के बॉन में आयोजित अर्धवार्षिक संयुक्त राष्ट्र वार्ता और बाकू में तकनीकी चर्चाओं में धीमी प्रगति ने सम्मेलन में एक महत्वाकांक्षी नए जलवायु कोष लक्ष्य को निर्धारित करने की संभावना पर संदेह पैदा कर दिया है। एचएसी ने इस बात पर जोर दिया कि जी-20 देश के पास हमारे ग्रह के भविष्य की दिशा बदलने की शक्ति, संसाधन और जिम्मेदारी है। जी-20 देश वैश्विक उत्सर्जन के लगभग 80 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में उनकी हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है।

गठबंधन ने कहा, हम जी-20 से आग्रह करते हैं कि वह सभी पक्षों का नेतृत्व करते हुए सभी स्रोतों से जलवायु कार्रवाई के लिए वित्तपोषण के समग्र कोष को सामूहिक रूप से बढ़ाए तथा जीवाश्म ईंधन में निवेश से तत्काल हाथ खींच ले। एचएसी देशों का एक प्रभावशाली लेकिन अनौपचारिक समूह है जो प्रगतिशील जलवायु और पर्यावरणीय लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सलीम खान को धमकाने के मामले में महिला सहित दो गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। अभिनेता सलमान खान के पिता और लेखक सलीम खान को मुंबई के बांद्रा इलाके में एक पुरुष और बुर्का पहने हुए एक महिला ने कथित तौर पर जेल में बंद कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई का नाम लेकर धमकाया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि घटना उस समय घटी जब सलीम खान बुधवार को सुबह की सैर के बाद बांद्रा बैंडस्टैंड में बैठे थे। एक अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान दोनों ने पुलिस को बताया कि वे सलीम खान के साथ केवल मजाक कर रहे थे।

दौरा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मेदिनीपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया।

पाकिस्तान ने भारत से सिंधु जल संधि के प्रावधानों का सम्मान करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद/भाषा। भारत द्वारा सिंधु जल संधि की समीक्षा के लिए पाकिस्तान को औपचारिक नोटिस दिए जाने के कुछ दिनों बाद, इस्लामाबाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस समझौते को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि नई दिल्ली भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा।

भारत और पाकिस्तान ने नौ वर्षों की वार्ता के बाद 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि (आईडब्लूटी) पर हस्ताक्षर किये थे, जिसका एकमात्र उद्देश्य सीमा पार की नदियों का प्रबंधन करना था।

नई दिल्ली में बुधवार को सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत ने 30 अगस्त को पाकिस्तान को एक औपचारिक नोटिस भेजकर 64 साल पुराने समझौते की समीक्षा की मांग की थी, जिसमें उसने परिस्थितियों में मौलिक और अप्रत्याशित बदलावों और सीमा पार से लगातार जारी आतंकवाद के प्रभाव का हवाला दिया था।

भारत के नोटिस पर एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने यहां संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तान सिंधु जल संधि को महत्वपूर्ण मानता है और उम्मीद करता है कि भारत भी इसके प्रावधानों का पालन करेगा।

बलूच ने बताया कि दोनों देशों के बीच सिंधु जल आयुक्तों का एक तंत्र है और संधि से जुड़े सभी मुद्दों पर इसमें चर्चा की जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि संधि से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए कोई भी कदम समझौते के प्रावधानों के तहत ही उठाया जाना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि विदेश कार्यालय के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि पाकिस्तान उस समझौते में संशोधन में रुचि नहीं रखता है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच जल बंटवारे के जटिल मुद्दे का समाधान किया गया था।

इंस्टाग्राम ब्यूटी फिल्टर हटा देगा, लेकिन नुकसान तो हो चुका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न। मेटा ने घोषणा की है कि जनवरी 2025 से उसके ऐप्स पर थर्ड-पार्टी 'ऑगमेंटेड रियलिटी' (एआर) फिल्टर उपलब्ध नहीं होंगे। इसका मतलब है कि व्हाट्सऐप, फेसबुक और खास तौर पर इंस्टाग्राम पर दिए जाने वाले 20 लाख से अधिक 'उपयोगकर्ता-निर्मित फिल्टर' गायब हो जाएंगे।

फिल्टर, इंस्टाग्राम पर एक मुख्य विशेषता बन गए हैं। इनमें से सबसे अधिक वायरल (जिसमें अक्सर उपयोगकर्ता के रूप/वेष को सुंदर बनाना शामिल होता है) 'मेटा स्पार्क स्टूडियो' के जरिए उपयोगकर्ताओं द्वारा खुद बनाए जाते हैं। लेकिन सौंदर्यीकरण एआर फिल्टर का उपयोग लंबे समय से युवा महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक छवि संबंधी समस्याओं को और अधिक बढ़ाने से जुड़ा हुआ है। सिद्धांत रूप में बड़े पैमाने पर इंस्टाग्राम फिल्टर को हटाने से अवास्तविक सौंदर्य मानकों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत मिलना चाहिए। हालांकि हटाने में बहुत देर हो गई है और इस कदम से फिल्टर के उपयोग को छिपाने की संभावना अधिक है।

इंस्टाग्राम द्वारा हाल ही किशोरों के लिए शुरू किए गए 'टीन अकाउंट्स' की तरह, उपयोग को प्रोत्साहित किए जाने के वर्षों बाद प्रौद्योगिकियों को वापस लेना और उनमें परिवर्तन करना एक लीपापोती अधिक कुछ नहीं है।

मेटा शायद ही कभी ऐसी तकनीक और व्यावसायिक कार्य के बारे में जानकारी देता है जो बिल्कुल जरूरी है। यह मामला भी अलग नहीं है। मेटा ने पहले भी दिखाया है कि यह उपयोगकर्ता के नुकसान से प्रेरित नहीं है, तब भी जब इसका खुद का लीक हुआ आंतरिक शोध बताता है कि इंस्टाग्राम और फिल्टर का उपयोग युवा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य को खराब करता है। तो फिर एक लोकप्रिय (परन्तु विवादास्पद) तकनीक को हटाने के लिए अब तक इंतजार क्यों किया गया? मेटा ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि उसका इरादा 'कंपनी की अन्य प्राथमिकताओं में निवेश को वरीयता देना' है।

सबसे अधिक संभावना है कि एआर फिल्टर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में तेजी आने का एक और शिकार है। अप्रैल में मेटा ने इस तकनीक में 35-40 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच निवेश करने का वादा किया और कहा कि वह एआर तकनीक को घर में ही ला रहा है। इंस्टाग्राम पर फिल्टर पूरी तरह से खत्म नहीं होंगे। मेटा द्वारा बनाए गए फर्स्ट-पार्टी फिल्टर उपलब्ध रहेंगे। इंस्टाग्राम के आधिकारिक अकाउंट (वर्तमान में 140) पर उपलब्ध फिल्टर की पेशकश थर्ड-पार्टी द्वारा बनाए गए लाखों फिल्टर की लाइब्रेरी की तुलना में नगण्य है।

इंस्टाग्राम के आधिकारिक फिल्टर भी विविध प्रकार के एआर अनुभव कम प्रदान करते हैं और इसके अकाउंट में कोई भी सौंदर्यीकरण फिल्टर नहीं है।

'ब्यूटी फिल्टर' का अंत? बिलकुल नहीं

मेटा ने 2019 में एक बार पहले भी फिल्टर हटाये थे हालांकि प्रतिबंध केवल 'सर्जरी' फिल्टर पर लागू था और थोड़े समय के कार्यान्वयन के बाद मार्क जुकरबर्ग के अनुरोध पर इसे वापस ले लिया गया था। कॉस्मेटिक सर्जरी के प्रभावों की नकल करने की अपनी क्षमता के लिए अनौपचारिक रूप से नामित 'सर्जरी' फिल्टर इंस्टाग्राम फिल्टर का सबसे लोकप्रिय प्रकार है। वे सबसे विवादास्पद भी हैं क्योंकि उपयोगकर्ता अपनी फिल्टर की गई छवि की नकल करने के लिए सर्जरी और ट्रीकमेंटस की मांग करते हैं। इंस्टाग्राम के सौंदर्यीकरण फिल्टर के डिजाइन का विश्लेषण करने के दौरान अपने शोध में मैंने पाया कि 87 प्रतिशत फिल्टर ने उपयोगकर्ता की नाक को छोटा कर दिया और 90 प्रतिशत ने उपयोगकर्ता के होंठों को बड़ा कर दिया। थर्ड पार्टी के फिल्टर को हटाने से इस प्रकार के परिष्कृत और यथार्थवादी सौंदर्यीकरण फिल्टर मेटा के मंचों से गायब हो जाएंगे।

हालांकि यह जश्न मनाने का कोई कारण नहीं है। पहले फिल्टर प्रतिबंध के मीडिया कवरेज का विश्लेषण करते समय हमने पाया कि उपयोगकर्ता 'सर्जरी' फिल्टर हटाए जाने से परेशान थे और उन तक पहुंच बनाने के तरीके खोजना चाहते थे। अब सात साल तक इंस्टाग्राम पर एआर फिल्टर का उपयोग करने के बाद उपयोगकर्ता उनकी उपस्थिति के और भी अधिक अभ्यस्त हो गए हैं।

दुर्गापूजा पर रिलीज होगी फिल्म 'अपराधी'

मुंबई/एजेन्सी

ट्रेंडिंग स्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म अपराधी दुर्गापूजा के अवसर पर देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म अपराध का निर्माण दक्षा फिल्म इंडिया के बैनर तले किया गया है, और निर्देशन शेखर शर्मा ने किया है। फिल्म अपराधी में खेसारीलाल का दमदार एक्शन और रोमांस देखने को मिलेगा, जिसमें गांव का खास अंदाज दिखाया जाएगा। फिल्म में ऋतु सिंह, मेघाश्री, और रक्षा गुप्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगी। बिहार और झारखंड में फिल्म का वितरण रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट कर रही है। फिल्म अपराधी को लेकर खेसारीलाल यादव ने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। इसमें मेरा किरदार एक्शन और रोमांस दोनों का बेहतरीन मिश्रण है, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा। खासकर इस दुर्गापूजा के मौके पर इसे रिलीज करना मेरे लिए खास है, क्योंकि यह फिल्म परिवार और समाज के कई महत्वपूर्ण मुद्दों को भी उजागर करती है। हमारी टीम ने इस पर कड़ी मेहनत की है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे बहुत प्यार देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधी में गांव का असली अंदाज और जज्बात दिखाने की कोशिश की गई है, जिसे दर्शक बड़े पर्दे पर जरूर एंजॉय करेंगे।

फिल्म अपराधी का संगीत शेखर शर्मा और आर्या शर्मा द्वारा तैयार किया गया है, जबकि गीत विजय चौहान और विक्की विशाल ने लिखे हैं। फिल्म का म्यूजिक लेबल टीम फिल्म्स के तहत रिलीज किया जाएगा। फिल्म की कहानी और पटकथा अरविन्द तिवारी ने लिखी है। निर्माता दक्षा फिल्म इंडिया है।संगीत शेखर शर्मा, आर्या शर्मा का और कोरियोग्राफर संजय कोर्वे हैं।

मतदान

श्रीनगर में गुरुवार को एक बुजुर्ग मतदाता जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए भारत के चुनाव आयोग की वैकल्पिक घरेलू मतदान सुविधाओं का लाभ उठाकर अपना वोट डाला।

'मनवत मर्डर्स' में आशुतोष गोवारिकर निभाएंगे जासूस की भूमिका

मुंबई/एजेन्सी

सोनी लिव के ओरिजिनल शो ''मनवत मर्डर्स'' में आशुतोष गोवारिकर जाने-माने जासूस रमाकांत एस. कुलकर्णी की भूमिका निभाते नजर आयेंगे। सोनी लिव एक दिलचस्प क्राइम थ्रिलर सीरीज ''मनवत मर्डर्स'' की पेशकश के लिये तैयार है। इसमें भयानक ऐतिहासिक घटनाओं में से एक का खुलासा होगा, जिसने 70 के दशक में देश को झकझोर दिया था। आशीष बेंडे द्वारा निर्देशित इस शो में आशुतोष गोवारिकर ने सीआईडी के एक बेहतरीन जासूस रमाकांत एस. कुलकर्णी की भूमिका निभाई है। कुलकर्णी को भारत का शेरलॉक होम्स भी कहा जाता है। इस नये तरीके की भूमिका में गोवारिकर का अनोखा अंदाज़ दिखेगा, क्योंकि वे बिल्कुल शांत रहेंगे, लेकिन उनकी सोच की कोई सीमा न होगी। उनके किरदार में अटूट समर्पण, दृढ़ता और वह विशेषज्ञता होगी, जिसकी जरूरत इतिहास के सबसे पेचीदा मामलों में से एक को सुलझाने के लिये थी। सीरीज में वह 1970 के दौरान ग्रामीण महाराष्ट्र में हुई अजीबोगरीब हत्याओं की गुत्थी सुलझाने की कोशिश करेंगे। इस कोशिश में उन्हें समय को भी मात देनी होगी। रमाकांत एस. कुलकर्णी की भूमिका निभाने को लेकर आशुतोष गोवारिकर ने कहा, ''इसे मैं अपने लिये बड़ा सौभाग्य मान रहा हूँ कि मुझे श्री रामाकांत एस. कुलकर्णी का किरदार निभाने के लिये चुना गया है। वह बॉम्बे सीआईडी के पुलिस ऑफिसर थे, जिनके बारे में आज के दर्शकों को बताया ही जाना चाहिये। उन्होंने ऐसे कई मामले सुलझाये, जो अन्यथा अनसुलझे ही रह जाते। इनमें मनवत की कुख्यात हत्याएं भी शामिल हैं। उन्हें भारत का शेरलॉक होम्स कहा जाता था। उनकी आत्मकथा ''फुटप्रिंट्स ऑन द सैण्ड्स ऑफ क्राइम'' ने उनके काम करने के तरीके पर अच्छी जानकारी दी। वह डिटेल पर बड़ा ध्यान देते थे, संदिग्धों को पकड़कर कैसे गुनाह कबूल करवाते थे और उन्हें ''सच के परे सच की खोज!'' पर यकीन था।'' आशुतोष गोवारिकर ने कहा, ''इस शो का मेरे लिये एक और रोमांचक पहलू था कई सालों बाद मकरंद अनासपुरे के साथ मेरी भागीदारी (हमारा पिछला प्रोजेक्ट 1998 में ''सरकारनामा'' था)। इसके अलावा अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों में से दो, यानि सोनाली कुलकर्णी और साई तमहानकर के साथ काम करने का भी रोमांच मुझे था।

शरवरी ने 'मुंजा' की सफलता पर खुशी व्यक्त की

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी ने हॉरर फिल्म मुंजा की सफलता पर खुशी व्यक्त की है। फिल्म मुंजा ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर शानदार सफलता हासिल की है। यह फिल्म थिएटर, स्ट्रीमिंग और सैटेलाइट तीनों माध्यमों में जबरदस्त हिट साबित हुई है। मुंजा की सफलता का आनंद ले रही शररी ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि मुंजा ने तीनों माध्यमों – थिएट्रिकल, स्ट्रीमिंग और सैटेलाइट पर हैट्रिक मारी है! मेरे जैसे किसी के लिए, इस करियर के शुरुआती चरण में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, मुंजा की इस अद्भुत सफलता की कहानी का मतलब है कि मेरा प्रदर्शन इतने लोगों तक पहुंच चुका है। यह मेरे करियर की शुरुआत में एक बड़ा परिणाम है और मैं अपने निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक आदित्य सरपोतदार की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे मुंजा का हिस्सा बनाया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है, और मैं अब भी खुद को यकीन दिलाने की कोशिश कर रही हूं। शरवरी ने कहा, मेरे लिए ये साल पेशेवर रूप से बहुत बड़ा रहा है और मुंजा ने मुझे उस पल का हिस्सा बना दिया, जिसकी मुझे एक कलाकार के रूप में सख्त जरूरत थी। यह दुर्लभ है कि कोई फिल्म इतने व्यापक तरीके से दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ सके। मुंजा का थिएटर्स में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना, उसके बाद ओटीटी पर इसकी जबरदस्त सफलता और यहां तक कि 2024 का सबसे बड़ा टीवी प्रीमियर बनना इस बात का प्रमाण है कि फिल्म दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। डांस में अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए शरवरी ने कहा, मुंजा की यात्रा शानदार रही है। मुझे लगता है कि इसे और खास बनाता है कि मुझे मेरे किरदार और मेरे गाने तरस के लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत सारा प्यार मिला है। जब मेरे निर्माता दिनेश विजान सर ने मुझ पर इस डांस सॉन्ग के लिए भरोसा किया, तो मैं रोमांचित थी। मैंने तरस की शूटिंग के दौरान अपनी पूरी मेहनत लगा दी। इसलिए, जब दर्शकों को इसे थिएटर में डांस करते देखा और यह साल के सबसे बड़े डांस गानों में से एक बन गया, तो यह मेरे लिए बेहद संतोषजनक था।मैं मुंजा और मुझे मिले दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करना चाहती हूं।

प्राइम वीडियो ने 'कॉल मी बे' के दूसरा सीजन की घोषणा की

मुंबई/एजेन्सी

प्राइम वीडियो ने आज आधिकारिक रूप से घोषणा की कि कॉल मी बे का दूसरा सीज़न बनाया जा रहा है। 6 सितंबर को प्राइम वीडियो पर अपने प्रीमियर के बाद से ही, कॉल मी बे ने हर आयु वर्ग के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और सांस्कृतिक युग का हिस्सा भी बन गया है। इस सीरीज़ ने व्यापक और गहरे स्तर पर दर्शकों तक अपनी पहुंच बनाई है, यह शो 165 से अधिक देशों में और भारत के 85% से अधिक पिन कोड्स में देखा गया है । दर्शकों से मिल रहे सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के प्रमाण के रूप में, कॉल मी बे भारत के शीर्ष 10 सूची में अपनी शुरुआत से ही पहले स्थान पर बना हुआ है और 50 से ज्यादा देशों में प्राइम वीडियो के शीर्ष 10 ट्रेंडिंग टाइटल्स में शामिल हुआ है, जिनमें अमेरिका, यूके, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूएई, सऊदी अरब, मलेशिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देश शामिल हैं। लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया और नए सीज़न की मांग के बाद, प्राइम वीडियो ने आज आधिकारिक रूप से घोषणा की कि कॉल मी बे का दूसरा सीज़न बनाया जा रहा है। इस सीरीज़ और इसकी स्टार कास्ट, अनन्या पांडे, वीर दास, गुरफतेह पिरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा, और मिनी माथुर को उनकी उत्कृष्ट परफॉरमेंस के लिए सराहा जा रहा है। प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक ने कहा, कॉल मी बे को मिले अपार प्यार और प्रशंसा को देखना वाकई अद्भुत रहा है। प्रतिक्रिया से उत्साहित होकर, हमने सीजन 2 के लिए काम करना शुरू कर दिया है और बे की यात्रा के अगले अध्याय को उसके समुदाय के साथ शुरू करने का निर्णय लिया है।शुरू से ही, कॉल मी बे के लिए हमारा विज़न एक ऐसी सीरीज़ बनाना था जो हल्की-फुल्की लेकिन अर्थपूर्ण बातचीत को प्रेरित करे और ऐसे किरदारों को पेश करे जो हमारे दर्शकों से जुड़ें। हमें यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि इस शो ने भारत और दुनिया भर से प्रशंसा हासिल की है। शो में हास्य, बुद्धि और हार्दिक भावनाओं का सही मिश्रण दर्शकों के साथ इस तरह से जुड़ा है कि हम इसके लिए दिल से आभारी हैं।

निर्माता करण जौहर ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि हम कॉल मी बे के दूसरे सीज़न पर काम कर रहे हैं। पहला सीज़न हमारे लिए गेम-चेंजर साबित हुआ है और हम दुनिया भर के दर्शकों से मिले प्यार और प्रशंसा के लिए आभारी हैं। इस यात्रा का हिस्सा बनना, शो को स्क्रिप्ट से स्क्रीन तक जाते देखना और आखिरकार दर्शकों से अपार प्यार पाना एक बड़े सौभाग्य की बात है। अनन्या, कोलिन, इशिता और बाकी कलाकारों को जो प्यार मिला है, वाकई खुशी की बात है। यह सीरीज़ प्राइम वीडियो के साथ हमारी लंबे समय से चली आ रही साझेदारी और मनोरंजक और आकर्षक कंटेंट देने की हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम सचमुच उत्साहित हैं कि हम इन किरदारों और उनकी कहानियों को और गहराई से समझ पाएंगे, और हमें पूरा विश्वास है कि दूसरा सीज़न पहले से भी ज्यादा बे-मिसाल होगा!

अपूर्व मेहता ने कहा प्राइम वीडियो पर हमारे पहले सीज़न की सफलता वाकई असाधारण रही है। हम कुछ ऐसा बनाने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जिसने सभी आयु वर्ग के दर्शकों को प्रभावित किया है। हम कॉल मी बे के दूसरे सीज़न के साथ इस सफलता को जारी रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। धर्माटिक एंटरटेनमेंट की टीम बेहद उत्साहित है और आगामी सीज़न के लिए नए किरदारों की कहानियों और स्टोरीलाइन बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मुझे पता है कि मैं सीरीज़ के पूरे कलाकारों और क्रू की ओर से बोल रहा हूँ, जब मैं कहता हूँ कि हम दर्शकों के साथ बे और उसकी अनोखी दुनिया के बारे में और अधिक साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। सोमेन मिश्रा ने कहा, पहले सीज़न के लिए मिली प्रतिक्रिया से मैं अभी भी हैरान हूं, जो हमारे लिए शुरू से ही एक सच्चे प्यार की मेहनत रही है। प्राइम वीडियो की वैश्विक पहुँच के साथ, यह देखना वाकई संतोषजनक है कि कैसे विभिन्न देशों के दर्शक बे और उसके साथियों के साथ प्यार में पड़ गए हैं!

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब शरीर में कांटा चुभ जाए तो शरीर में वेदना का लावा फूटता है। फिर उस कांटे को निकाल दो तो राहत मिल सकती है, लेकिन कुछ देर तक वेदना तो रहती ही है। कांटा निकालना आसान है लेकिन बोलते समय हमारे शब्द कटु बन गए तो वह लंबे अरसे तक दर्द का कारण बन जाते है। इसलिए ज्ञानी कहते हैं बोलते समय सावधान रहना जरूरी है। हमारे शब्दों के भाव लंबे अरसे तक रहते हैं। अगर ग़लती से बचना है, उसका निराकरण, प्रमार्जन करना है तो सत्य बोलो। गलती करके झूठ बोलना और बड़ी ग़लती हो जाती है। सत्य बोलने से यह विश्वास जम जाता है कि वह व्यक्ति झूठ नहीं बोल सकता।

कर्मों के परिणामों को नहीं बदला जा सकता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए युवाचार्यश्री महेंद्र ऋषिजी ने पुच्छिस्सुणं संपुट की नौवीं गाथा का विश्लेषण करते हुए कहा कि हमारे भीतर में रही हुई सकारात्मक दृष्टि हमारे कार्य में बहुत बड़ी भूमिका निभाती हैं। इस गाथा में परमात्मा की जो स्तुति हुई हैं, उसके भाव आपको उत्कृष्ट परिणाम देते हैं। हम कैसे श्रद्धा, आस्था लेकर परमात्मा की स्तुति करते हैं, उसमें हमारे भाव महत्वपूर्ण है। परमात्मा बहुवीर्य ही नहीं, परिपूर्ण सामर्थ्य वाले हैं। आज भी किसी व्यक्ति का मनोबल मजबूत है तो वह चट्टान की तरह मजबूत है। चाहे कितना भी पानी बरसे, कितनी भी धूप रहे, परिस्थिति चाहे कैसी भी रहे, उसके परिणाम में कोई असर नहीं होता।

उन्होंने कहा प्रभु की स्तुति से प्रेरणा मिलती है कि हमें चट्टान की तरह मजबूत रहना चाहिए। हम लोग घबराएं नहीं, सोचे नहीं। प्रभु का कितना सामर्थ्य था क्योंकि वे मजबूत सीने वाले थे। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को कैसी-कैसी तकलीफें दी गई लेकिन वे चट्टान की तरह खड़े थे। परमात्मा ने कितनी मजबूती से परिस्थितियों का सामना किया, तभी महावीर कहलाए।

उन्होंने कहा हम उन्हीं महावीर के अनुयायी है। हमें भी हिम्मत रखनी है। कभी न कभी हिम्मत भी जबाब देने लगती है। जीवन अलग-अलग परिस्थितियों में गुजरता है। दुःख का एक पल एक युग के समान लगता है। सुख का एक युग भी एक पल की तरह लगता है। जीवन में पेशन होना चाहिए। वैज्ञानिकों ने कितने प्रयोगों के बाद अनुसंधान किया। आप सोचिए, उन्होंने कितनी हिम्मत रखी होगी। याद रखना, हमारी सफलता में, खुशियों में साथ देने वाले बहुत मिल जाएंगे और दुःख के समय में कोई साथ नहीं आता। बल, हिम्मत को मत हारो। धृति बल को मजबूत रखो। प्रभु महावीर ने ने किसी का सहारा नहीं मांगा। हम अकेले हैं तो दुःखी इसलिए है कि कोई हमारे साथ नहीं है। कोई साथ में नहीं हो तो घबराओ नहीं।

उन्होंने कहा ज्ञान बल से किसी भी वस्तु को भांप लेना चाहिए। ज्ञान बल हमेशा व्यक्ति को आगे रखता है। भगवान महावीर ने साढ़े बारह वर्ष तप किया, कितना धृति बल था उनमें। हमारे जैसे कर्म है, वे भुगतने ही है। कोई शक्ति उनके परिणामों को नहीं बदल सकती। यह हमारा अज्ञान है, जिसके फलस्वरूप हम दुःखी होते हैं। अंधा और भिखारी की तरह बनना हमारे अज्ञान की कमजोरी है। ज्ञान बल द्वारा समझ का उपयोग करो। ज्ञान बल का उपयोग साधना में मजबूती प्रदान करता है।

उन्होंने कहा शक्ति बल द्वारा हमें शरीर को स्वस्थ रखना है। हमारी जीवनशैली को व्यवस्थित रखने की कोशिश करो। हमारा मन चट्टान की तरह बनना चाहिए। हमारी पारंपरिक व्यवस्थाओं को थोड़ा भी आत्मसात कर लिया तो देखना, हमारा जीवन कितना सामर्थ्यवान बन जाएगा। भगवान का स्मरण सामर्थ्य को सुरक्षित करने वाला है, मजबूत बनाने वाला है। यह गाथा यश और तेज में वृद्धि करने वाली है। हमारे आंतरिक, शारीरिक और मानसिक भावों को बढ़ाने का पुरुषार्थ करें। राकेश विनायकिया ने सभा का संचालन किया।

जिनचन्द्रसूरी ने अनेकों के जीवन में प्रकाश भरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के आरएस पुरम् स्थित कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ द्वारा संचालित मुनिसुव्रत स्वामी मंदिर और दादावाड़ी में गुरुवार को दादा गुरुदेव जिनचंद्र सूरी की 411 वी पुण्यतिथि बड़े हर्ष उल्लास से मनाई गई।

साध्वीश्री प्रियसोमांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि पर्युषण पर्व के बाद यह सबसे बड़ा कार्यक्रम है। आज सामूहिक मुनिसुव्रत स्वामी एकतिसा के बाद सभी ने पुण्य जयंती के मौके पर पूजन किया। साध्वीश्री ने दादा गुरुदेव के जीवन इतिहास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में लाभार्थी इंदुबाई पारसमल लुणिया परिवार केश्याम सुन्दर संतोष लुनिया का संघ द्वारा सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन युवक परिषद के रवि गोलेच्छा ने किया। कार्यक्रम में युवक परिषद और महिला परिषद का सहयोग रहा।

चेन्नई में चल रही हैं दुर्गा पूजा की तैयारियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महानगर में दुर्गा पूजा के तैयारी शुरू हो गया है। यहां बिहार एसोसिएशन चेन्नई, देशरत्न राजेंद्र प्रसाद मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में चुलै स्थित नेहरू टिंबर मार्केट में 50 वां दुर्गा पूजा मनाने जा रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार आगामी 3 अक्टूबर को कलश स्थापना समारोह में तमिलनाडु सरकार के सहायक प्रधान सचिव (आबकारी निषेध विभाग) बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

उत्तर चेन्नई के तंडियारपेट स्थित अय्यप्पा स्वामी मंदिर में भी इस बार 18वां दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जाएगा। यहाँ आगामी 10 अक्टूबर को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में तमिलनाडु के फायर एंड सेफ्टी विभाग के डीजीपी आभास कुमार मुख्यअतिथि होंगे।

माधवरम विधानसभा क्षेत्र में दुर्गा पूजा नवदुर्गा सेवा समिति के तत्वावधान में राजाजी स्ट्रीट स्थित एमआर पैलेस में पहली बार दुर्गा पूजा मनाई जा रही है। इस अवसर पर कई धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन तय किया गया है। यहाँ 3 अक्टूबर कलश स्थापना से लेकर 11 अक्टूबर तक नियमित भजन कीर्तन एवं सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। वहीं 12 अक्टूबर को विजयदशमी के अवसर पर प्रख्यात भजन गायक प्रयागराज निवासी तिवारी बंधु द्वारा माता की जागरण प्रस्तुत की जाएगी।

माधवरम में ही बस स्टैंड के नजदीक राजा राजेश्वरी कल्याण मंडपम में भी दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन की जा रही है, शारदीय नवरात्रि ट्रस्ट के बैनर तले हो रहे इस दुर्गा पूजा में 3 अक्टूबर (कलश स्थापना)के अवसर पर 151 कन्याओं द्वारा शिव मंदिर माधवरम से कलश में जल भर कर राजराजेश्वरी कल्याण मंडपम दुर्गा पूजा पंडाल में स्थापित की जाएगी। यहाँ 3 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक श्रीमद् देवी भागवत का भी आयोजन किया गया है।

पुझल में भी दुर्गा पूजा का पहला आयोजन

कावाकरै जीएनटी रोड स्थित रानी सेनगुप्ति कल्याण मंडपम के पार्किंग में सार्वजनिक दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया है। यहाँ 5 अक्टूबर को संध्या 6:00 बजे से माता की चौकी स्थानीय कलाकार पंकज सिंह के द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। यहाँ उल्लेखनीय है कि दुर्गा पूजा का आरंभ 3 अक्टूबर कलश स्थापना से शुरू होकर 12 अक्टूबर विजयदशमी के साथ संपन्न होगा। वहीं कोरल मरचेंट एमकेबी नगर, टीनगर, बेसेन्टनगर, आवडी आदि इलाकों में भी इसबार दुर्गा पूजा मनाया जाएगा।

धर्म जोड़ने का काम करता हैं : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में साध्वीश्री राजमतीजी म.सा. ने गुरुवार को कहा कि पाप का स्वरूप कैंची की तरह होता है, जो कि किसी भी वस्तु को हमेशा काटने का प्रयास करती है, जबकि धर्म का स्वरूप सुई धागे की तरह है, जो मनुष्य को हमेशा शुभ कार्यों में जोड़ने का काम करती है। साध्वीश्री कहा कि पाप के आगमन से मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है और वो तमाम तरह के अनुचित कार्यों में लिप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि धर्म के साथ ही सत्य टिक पाता है और अशुभ कर्मो के प्रभाव से बचने के लिए प्रबल पुण्य कर्म की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अशुभ कर्मों के प्रभाव से बचने के लिए मनुष्य को प्रबल पुरूषार्थ करने की आवश्यकता होती है।

इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने अपनी व्याख्यान माला में मानव सभ्यता के जनक कहे जाने वाले चक्रवर्ती भारत की सुन्दरी के सौंदर्य के प्रति आसक्ति और सुन्दरी द्वारा जप, त्याग और साधना द्वारा उसे प्रबोधन न किए जाने का मार्मिक वर्णन किया। धर्मसभा का संचालन संघ के महासचिव संजय पिन्चा ने किया।

जीतो जेबीएन की सदस्याओं ने की 'हीरो' की परख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो जेबीएन ट्रेंडसेटर वी-प्रेनर्स ऑल वुमेन रेफरल ग्रुप की दूसरी औद्योगिक यात्रा का कल्टीवेटेड कैरेट्स प्रतिष्ठान में हुई। इस मौके पर संस्थापक मेहक जैन ने लैब ग्रोन डायमंड्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लैब ग्रोन डायमंड्स न केवल किफायती हैं, बल्कि उनका बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। वी-प्रेनर्स हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सेक्रेटरी ज्योति कोचट्टा ने महक को धन्यवाद दिया। इस औद्योगित यात्रा में एपेक्स रैफरल संयोजक मनोज कोचर, साउथ लेडीज विंग की अध्यक्षा सुनीता गांधी और एसएसबी एपेक्स सहसंयोजिका रेखा जैन की विशेष उपस्थिति रही।

तेरापंथ भवन गांधीनगर में आयोजित हुई प्रश्नमंच प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में ज्ञानशाला प्रशिक्षिकों के लिए ज्ञानवर्धक प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बेंगलूरु की विभिन्न ज्ञानशाला की 45 प्रशिक्षिकाओं ने भाग लिया। सभी सहभागियों को पारितोषिक से सम्मानित किया गया। साध्वी संगीतप्रभाजी ने कहा कि ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता के माध्यम से ज्ञान का विकास भी होता है। सभी प्रशिक्षिकाओं ने बहुत श्रम किया है। साध्वीश्री भव्ययशाजी, साध्वीश्री शिक्षाप्रभाजी ने भी विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता का संचालन क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया, लता गादिया ने किया। शीला सियाल का टेक्नोलॉजी पावरप्वाइंट के माध्यम से सहयोग रहा। प्रतियोगिता में पवन संचेती, बबीता चोपड़ा, सुनीता कोठारी और कल्पना सेठिया आदि उपस्थित थीं।

तेरापंथ महिला मंडल ने स्कूल में आयोजित की कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा वे-टू-हैप्पीनैस' नामक कार्यशाला का आयोजन पट्टनगेरे सरकारी स्कूल में महिला अध्यक्ष सुमन पटवारी एवं संयोजिका पूनम दक के निर्देशन में हुआ। इस कार्यशाला में हेल्थी फूड हेबिट के बारे में बताया गया। दीपाली गोलेछा ने विषय पर प्रकाश डालते हुए सरल भाषा में बच्चों को खानपान की शुद्धि के बारे में बताया। इस मौके पर बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यशाला में वंदना भंसाली ने सभी को धन्यवाद दिया।

हर हालत में कन्याओं और महिलाओं की रक्षा हो : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तजनों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने समाज में फैल रहे प्रदर्शन व कुप्रथाओं की घोर निंदा करते हुए कहा कि डांस सिखाने वाले कोरियोग्राफर अपने समाज की नारी जाति का बहुत फायदा उठा रहे हैं। सामान की होम डिलीवरी करती एजेंसियों के लोग भी अवसर देखकर अपनी बहू-बेटियों को तबाह कर रहे हैं। पुरुषवर्ग अक्सर नौकरी-पेशे और व्यापार में व्यस्त रहता है। एकांत पाकर अपनी कन्याओं और महिलाओं का शिकार करने की भरपूर कोशिशें हो रही हैं। प्रिवेडिंग शूट, उद्भट वस्त्र परिधान के साथ साड़ी पार्लर, महेंदी क्लासेस, ब्यूटी पार्लर, सिंगिंग क्लासेस, फैशन डिजायनिंग के क्लासेस धड़ल्ले से चल रहे हैं, जिनमें महिलाओं के अतिरिक्त पुरुष मास्टर और ट्रेनर के रूप में काम कर रहे हैं। उन्मुक्तता की कोई सीमा नहीं बची है। कोई रोकने टोकने वाला दिखाई नहीं दे रहा। नारी स्वतंत्रता के नाम पर हिन्दू और जैन समाज का भविष्य अंधकार के गहरे गर्त में समा रहा है। जिम और फिटनेस के नाम पर ट्रेनर हमारी कन्याओं और महिलाओं के साथ बद्तमिजियाँ कर रहे हैं। मौजशौक में मशगूल अपना नारीधन सब स्वीकार कर रहा है। कुछ ही वर्षों में यह समाज के सर्वनाश का रास्ता बनेगा।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हिन्दू व जैन समाज को सारे काम छोड़कर सबसे पहले कन्याओं और महिलाओं को बचाने का कार्य करना होगा। चारों ओर से अपने समाज के नारीवर्ग को फंसाने, बरबाद करने और अपनी सामाजिक व्यवस्थाओं को नष्ट करने के अनेक षडयंत्र चल रहे हैं। दुर्भाग्य है कि इन षडयंत्रों में अपने समाज की युवतियां फंसती जा रही हैं। नवरात्रि के नाम पर जगह जगह गरबा और डांडिया सिखाने के क्लासेस चल रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में बेरोकटोक परिचय और उसके बाद पतन हो रहा है। गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि सदाचार से बढ़कर कोई संपत्ति नहीं है। जिसके पास सदाचार का ध्येय नहीं, उसे नष्ट होने से कोई बचा नहीं सकता।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान और भंवरलाल लुंकड़ ने बताया कि भगवान महावीर के प्रथम शिष्य गणधर इंद्रभूति गौतम का महामंगलकारी विराट अनुष्ठान रविवार को प्रातः यहां आयोजित होने जा रहा है। सैकड़ों पुरुष और महिलाएं इस अनुष्ठान में भाग लेंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के सेन समाज के विष्णुकुमार सेन, ओमप्रकाश सेन, डॉ अम्बरीश शर्मा, हनुमान सेन, मोंटू सेन, तारकेश सेन, आशुतोष सेन, चम्पालाल सेन ने बेंगलूरु प्रवास पर आए भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के पुत्र व केन्द्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर से मुलाकात कर उनका सम्मान किया।

खरतरगच्छ युवा परिषद के सदस्यों ने की गौसेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने गुरुदेवश्री जिनचंद्रसूरीजी के411वें स्वर्गारोहण दिवस के उपलक्ष्य मुनिश्री मलयप्रभसागरजी व साध्वीश्री प्रियस्वर्णजनाश्रीजी की प्रेरणा से अखिल कर्नाटका प्राणी दया संघ गौशाला में गायों को घास व गुड़ खिलाया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना, मंत्री विकाश खटोड़, जीवदया संयोजक तोफराज गुलेच्छा, गौरव संखलेचा आदि सदस्यों ने गौसेवा की।

पूनम मेले में उमड़े श्रद्धालु

हासन/दक्षिण भारत। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे स्थित आयोजित पूनम मेला का आयोजन किया जिसका लाभ गजराबाई अमलोकचंद खिवेंसरा परिवार वालों ने लिया। तुषार गुरु के मंत्रोच्चार से विधि विधान कराया। संभव संगीत मंडल व गायक दिलखुश बाफणा, तनसुख जैन, प्रकाश राठौड़, रिंकु बाफणा व गायिका हेमा कोठारी ने भजनों की प्रस्तुति दी। यात्रा संघ का आयोजन राकेश सालेचा के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर ट्रस्टी उत्तमचंद पांडिचेरी, पारसमल वेदमुथा, मांगीलाल मेहता, विजयकुमार सुराना, रमेश कटारिया, रमेश परमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

व्यवहार कुशल आत्मा हमेशा सफल होती है : संतश्री विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन देते हुए विनयमुनिजी खींचन ने व्यवहार सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि व्यवहार कुशल आत्माओं की योग्यता बढ़ती जाती है। एक दिवस की दीक्षा पर्याय, प्रतीतिकारी, धैर्यशील, विश्वस्यनीय, समभावी, प्रमोद्कारी अनुमत, बहुमत उच्च कुलोत्पन्न और गुण सम्पन्न साधु को आचार्य की पदवी दी जा सकती है। व्यवहार में तीर्थकर परमात्मा के पश्चात् आचार्य ही धर्म संघ के रक्षक होते हैं।

संघ में सभी सदस्य-श्रमण श्रमणी समान गुण सम्पन्न नहीं होते हैं, जाने अनजाने में गलती-भूलें होती है, छोटी भूलें हुई तो पुनः नहीं करने का संकल्प साधक लेता है, बड़ी भूल-होने पर साधक को गच्छ बाहर भी रखा जा सकता है है। संघ प्रवक्ता राजू सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.